फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 08 अंक : 01 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 9-15 दिसंबर 2024

Website : faridabadkiawaz.com

मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

पहला कॉलम

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदूओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

अजित को बड़ी राहत, जब्त 1,000 करोड़ से अधिक की संपत्तियां हुई रिलीज

पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देकर न्यायाधिकरण ने सुनाया फैसला

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को एक बड़ी राहत मिली है, दरसअल आयकर विभाग ने 2021 में जब्त की गई 1,000 करोड़ से अधिक की संपत्तियों को रिलीज कर दिया। यह कदम बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा अजित और उनके परिवार पर बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज करने के बाद लिया गया। इस फैसले के तुरंत बाद अजित ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद हुआ। इस मामले में जब्त की गई संपत्तियों में सतारा में एक चीनी मिल, दिल्ली में एक फ्लैट और गोवा में एक रिसॉर्ट शामिल थे। न्यायाधिकरण ने मामले में पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देकर आरोपों को खारिज किया। न्यायाधिकरण ने कहा कि आरोपित संपत्तियों को वैध वित्तीय मार्गों के तहत खरीदा गया था। अजित और उनके परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता ने कहा कि आरोपों का कोई कानूनी आधार नहीं है और उन्होंने जोर दिया कि सभी संपत्तियां वैध तरीके से, बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से खरीदी गई थीं।

महाराष्ट्र में एमवीए नेताओं ने शपथ ग्रहण का बहिष्कार किया, ईवीएम पर नहीं भरोसा

मुंबई । महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन शपथ ग्रहण का बहिष्कार करने का फैसला किया। एमवीए के विधायकों का आरोप है कि हाल ही में हुए राज्य चुनावों में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) का दुरुपयोग किया गया था। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार सहित सत्तारूढ़ दलों के कई नेताओं ने विधानसभा में शपथ ली। वहीं, विपक्षी दलों के सदस्य, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने शपथ लेने से इंकार किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, जब कोई सरकार इतना बड़ा बहुमत हासिल करती है, तब जश्न मनाना चाहिए, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या उस दल को जनादेश जनता से मिला है या फिर ईवीएम और चुनाव आयोग के जरिए? उन्होंने इस पर सवाल उठाया कि क्या वास्तव में चुनाव जनता की इच्छा से हुए हैं। आदित्य ने सोलापुर के मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकडवाड़ी गांव में कर्फ्यू और गिरफ्तारियों का विरोध कर कहा कि यहां के ग्रामीणों ने पुनर्मतदान की मांग की थी। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विपक्ष के ईवीएम विरोध पर प्रतिक्रिया देकर कहा ईवीएम पर आपत्ति अनुचित है। जब एमवीए को लोकसभा में 31 सांसद मिले थे, तब उन्होंने ईवीएम को दोष नहीं दिया था। विपक्ष को विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए शपथ लेना जरूरी है। वे कल तक शपथ ले सकते हैं। यह लगता है कि वे इस प्रकार के विरोध के जरिए अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं।

बांग्लादेश-भारत के बीच चल रहे तनाव के चलते बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट रोकी गई

नई दिल्ली।

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक के खिलाफ अत्याचार जारी है। वहीं, भारत विरोधी कदम उठाए जा रहे हैं। हालात ये हैं कि त्रिपुरा में भारत बांग्लादेश सीमा पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट को रोका गया। बीटिंग रिट्रीट शनिवार और रविवार को आयाजित होता था। भारत और बांग्लादेश के बीच जारी तनातनी के बीच अगरतला में अखूरा बार्डर में बीटिंग रिट्रीट का आयोजन बंद हुआ। खबर आ रही है कि बांग्लादेश की सेना ने भारत की सीमा पर पश्चिम बंगाल के पास तुर्की निर्मित ड्रोन तैनात किए हैं। सीमा पर बांग्लादेश की सेना की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए भारतीय सेना ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत ने शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरने के बाद बॉर्डर पर आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद से निगरानी बढ़ाई है। सूत्रों से पता चला है कि सेना ने सीमा के करीब बेराकटर टीबी2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की तैनाती की पुष्टि की है। इन ड्रोनों का संचालन बांग्लादेश की 67वीं सेना खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों के लिए करती है। जबकि बांग्लादेश ने दावा किया कि यह तैनाती रक्षा उद्देश्यों के लिए है, भारत ने संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे उन्नत ड्रोनों की तैनाती के रणनीतिक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया है।

वहीं,मुस्लिम संगठनों ने भारत के खिलाफ बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया। इस प्रदर्शन में मुस्लिम संगठन के नेताओं ने पुलिस सुरक्षा में हुए इस प्रदर्शन में आईएसआईएस के झंडे भी लहराए गए। प्रदर्शनकारियो ने बांग्लादेश में भारतीयों पर हमले और उनकी हत्या करने की धमकी दी। बांग्लादेश में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि कट्टरता पैर पसार रही है।

इधर, श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हिंदू मंदिर में रिनोवेशन को रोक दिया। बांग्लादेश की सेना ने हिंदू मंदिर का रेनोवेशन

का कड़ा विरोध किया था। हालांकि, बांग्लादेश की सेना ने इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का हवाला दिया था। भारत ने इस संबंध में शांतिपूर्ण हल निकालने पर जोर दिया है।

टीबी से लड़ने में भारत की ग्लोबल नेतृत्व क्षमता मजबूत हुई: पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों से भारत में टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण जेपी नड्डा की ओर से एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देकर यह पोस्ट की। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत के टीबी उन्मूलन प्रयासों में निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण संबंधी सहायता से परिवर्तनकारी प्रगति देखी गई है। निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों ने टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है, मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है। दरअसल केंद्रीय मंत्री नड्डा ने पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारत में टीबी की रोकथाम के लिए कई पहल की जा रही हैं। इसमें उच्च-भार वाले जिलों में 100-दिवसीय अभियान, निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण

सहायता में वृद्धि, लागत प्रभावी निदान उपकरण जैसी पहल देश के प्रयासों को गति दे रही हैं। इन कदमों से उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और टीबी के मामलों में कमी आई है। जनभागीदारी पर जोर ने समुदायों को एकजुट किया है, जिससे समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हुआ है। भारत का अभिनव दृष्टिकोण वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है और देश को टीबी मुक्त भारत के करीब ले जा रहा है।

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

नई दिल्ली।

दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा। बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करे। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है। बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा में विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

रायरंगपुर ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पैतृक क्षेत्र रायरंगपुर में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के साथ ही उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

रेलवे लाइन परियोजनाएं- राष्ट्रपति मुर्मू ने बांगिरिपोसी-गोरुमहिसानी, बुरामारा-चाकुलिया और बादामपहाड़-केंदुझारगढ़।

अन्य विकास कार्य- जनजातीय अनुसंधान और विकास केंद्र की स्थापना के साथ ही दंडबोस हवाई अड्डे का शिलान्यास किया। रायरंगपुर उप-मंडल अस्पताल के 100 बिस्तरों वाले नए भवन का निर्माण।

इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें हमेशा अपनी जन्मभूमि पर गर्व है और यह भूमि उनकी प्रेरणा का स्रोत रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये परियोजनाएं क्षेत्र में परिवहन और व्यापार को बढ़ावा देंगी। रेलवे कनेक्टिविटी से स्थानीय लोगों को सुविधाजनक यात्रा और आर्थिक विकास के अवसर मिलेगा। नया अस्पताल भवन बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। इतना ही नहीं आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना क्षेत्र में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देगी।

एकलव्य मॉडल स्कूल की पहल

ओडिशा में 100 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

इसमें से 23 विद्यालय मयूरभंज जिले में बनाए जा रहे है। राष्ट्रपति ने कहा कि इन विद्यालयों से आदिवासी बच्चे समाज और देश की प्रगति में योगदान देने वाले है।

ओडिशा के विकास पर जोर-

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार के पूर्वोदय विजन के तहत ओडिशा में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री के नाम से जुड़ी मस्जिद पर विवाद

सरकार ने इस शत्रु संपत्ति घोषित किया

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की एक और मस्जिद को लेकर विवाद पैदा हो गया है। यह विवाद पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के नाम से जुड़ा हुआ है। यह मस्जिद उनके भाई सज्जाद अली खान की जमीन पर है।

इस अब सरकार के द्वारा शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। इसकी जमीन के कथित रूप से वक्फ संपत्ति होने का दावा किया गया। इसके बाद प्रशासन और शत्रु संपत्ति संरक्षक कार्यालय की एक टीम जांच के लिए पहुंची। यह जमीन मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन के सामने करीब 0.082 हेक्टेयर में फैली हुई है। बता दें कि यह जमीन पहले रुस्तम अली के नाम पर दर्ज थी। विभाजन के बाद जब रुस्तम अली का परिवार पाकिस्तान पहुंच गया। इसके बाद भारत में मौजूद उनकी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। बाद में इस जमीन पर कब्जा कर एक मस्जिद बना दी गई।

कौन थे लियाकत अली खान?

अली खान पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री थे। उन्हें पाकिस्तान के कायदे-मिल्लत (राष्ट्र के नेता) और शहीद-ए-मिल्लत (राष्ट्र के शहीद) के रूप में भी जाना जाता है। अली खान का जन्म 1 अक्टूबर 1895 को करनाल जिले में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। राजनीति में उनकी शुरुआत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ हुई, लेकिन बाद में वे मुस्लिम लीग में शामिल हो गए। लियाकत अली ने मोहम्मद अली जिन्ना के साथ मिलकर पाकिस्तान आंदोलन का नेतृत्व किया। 1946 में भारत में हुए चुनावों में मुस्लिम लीग के प्रमुख नेता के रूप में उन्होंने पार्टी को मजबूत किया। पाकिस्तान के निर्माण के बाद वे देश के पहले प्रधानमंत्री बने।

16 अक्टूबर 1951 को रावलपिंडी में जनसभा के दौरान अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके हत्यारे की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। उनकी हत्या आज भी एक रहस्य बनी हुई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में विशाल आक्रोश सभा, मोदी सरकार से की ये मांग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे पर जोरदार प्रदर्शन हुआ। गाजियाबाद के कविनगर रामलीला मैदान में रविवार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में 'विशाल आक्रोशित सभा' आयोजित की गई। रामलीला मैदान में कई हिंदूवादी संगठन एवं जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। हिंदू समाज गाजियाबाद और हिंदू समाज सुरक्षा समिति के बैनर तले हजारों लोग एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। मंच से कई लोगों ने अपने संबोधन में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो

रहे हमले की निंदा की और भारत में मौजूद हिंदुओं से एकजुट होने की अपील की। अपने संबोधन में सभी लोगों ने इसी बात पर बल दिया कि अब समय आ चुका है कि हम सभी एकजुट हो जाएं और इस स्थिति का मुकाबला करें।

लगातार हो रहे हैं हमले- बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। उनकी संपत्तियों पर कब्जा किया जा रहा है और महिलाओं के साथ घिनौनी घटनाएं हो रही हैं। यह सब बंद होना चाहिए। मंच से वक्ताओं ने बांग्लादेश सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का जीवन नरक के समान हो गया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदू परिवारों को निशाना बनाकर उन पर अत्याचार किए जा रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की।

अत्याचार का किया विरोध- गाजियाबाद में हिंदू संगठनों के इस प्रदर्शन ने बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। लोगों ने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं पर तत्काल रोक की मांग की। पिछले दिनों कई राजनीतिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के संबंध में जल्द से जल्द कदम उठाने की मांग की।

सम्पादकीय

प्रियंका गांधी के संसद प्रवेश का बीजगणित

भले ही उत्तर प्रदेश में लड़की के न लड़ पाने की तोहमत हम प्रियंका पर मढ़ दें, मगर अपनी नई भूमिका में उन की संप्रेशण दक्षता देश भर की महिला मतदाताओं का मानस तेज़ी से बदलेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पंजीकृत तक़रीबन 97 करोड़ मतदाताओं में सवा 47 करोड़ महिलाएं थीं। पांच साल में पंजीकृत मतदाताओं की तादाद औसतन 7-8 करोड़ बढ़ जाती है। इस हिसाब से 2029 में देश में एक अरब चार करोड़ से कम मतदाता नहीं होंगे। इन में 50 करोड़ महिला मतदाता होंगी।

दिनेश शर्मा

पूछने वालों को यह पूछने का हक़ है कि जो प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश विधानसभा के पिछले चुनावों में 209 सभाएं और रोड शो करने के बावजूद कांग्रेस को दो फ़ीसदी वोट ही दिला पाई थीं, उन के अब लोकसभा में पहुंच जाने से ऐसा क्या चमत्कार हो जाएगा कि कांग्रेसजन वायनाड के चुनाव नतीजों के बाद से लुंगी-डांस कर रहे हैं?

कहने वालों को यह कहने का भी हक़ है कि उत्तर प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस की 40 प्रतिशत उम्मीदवारी महिलाओं के आंचल से बांध देने के बाद भी 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे की घनघोर विफलता देख लेने के बाद कांग्रेसजन को प्रियंका से अब ऐसी कौन-सी करामात की उम्मीद है कि वह दिन आया ही समझो, जब देशवासी कांग्रेस पर लट्टू हो जाएंगे?

प्रियंका की सांगठनिक क्षमता पर यह सवाल उठाने का अधिकार भी लोगों को है कि कांग्रेस पार्टी की महासचिव बने तो उन्हें पौने छह साल से ज़्यादा हो गए हैं, लेकिन इस दरमियान उन्होंने ऐसा क्या कर दिखाया है कि कांग्रेस अब उन में अपना भविष्य खोजे?

जनवरी 2019 में महासचिव बनने के बाद जब क़रीब पौने दो साल पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभार उन के पास था तो क्या वहां के 18 ज़िलों में कांग्रेस का परचम लहराने लगा था? फिर अब जब वे चार बरस से पूरे उत्तर प्रदेश की प्रभारी हैं तो क्या सहारनपुर से सोनभद्र तक, महोबा से महाराजगंज तक और मथुरा से अयोध्या तक कांग्रेस पर पुष्पवर्षा हो रही है?

उठाने वालों को यह मुद्दा उठाने का भी हक़ है कि नेहरू-गांधी परिवार के तीन-तीन सदस्यों का एक ही समय में संसद में होना क्या हमारी क़ौमी जम्हूरियत और कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की अस्वस्थ तस्वीर पेश नहीं करता है? जिन्हें इस बहाने वंशवाद के विमर्श को नए सिरे से उस के कथनांक बिंदु तक ले जाने में दिलचस्पी है, उन्हें भी इस की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए।

बावजूद इस तथ्य के कि इन तमाम प्रश्नों में दम है, मैं आप से कहना चाहता हूं कि वायनाड से प्रियंका की जीत के बाद कांग्रेस को अपने लिए दिख रही रोशनी के ताज़ा उछाह पर उठ रही इन तमाम उंगलियों को मैं इसलिए सकारात्मक मानता हूं कि अगर कांग्रेस के लिए नए ज़माने का कोई सूरज कभी उगेगा तो उस का उजाला सवालों और एतराज़ के इन्हीं झाड़-झंखाड़ों के बीच से गुज़र कर ही तो कांग्रेस के दालान में पहुंचेगा।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को चाहने वाले, ज़ाहिर है कि, अभी क्या, कभी भी, यह नहीं मानेंगे कि संसदीय सियासत की ड्योढ़ी पर प्रियंका की औपचारिक दस्तक से उन की सेहत पर इत्ता-सा भी फ़र्क़ पड़ने वाला है। मगर मन-ही-मन वे जानते हैं कि प्रियंका के आगमन ने आगत के आसार का बीजगणित भारतीय जनता पार्टी के लिए काफी दुरूह कर दिया है। यह परिघटना कांग्रेस को तो जो ताक़त देगी, सो देगी ही, अगले दो बरस में देश के मौजूदा प्रतिपक्षी जाज़म का दृश्य बदलने की भी कूवत रखती है। इस संभावना के साथ किंतु-परंतु के क्षेपक जोड़ने वालों को आज़ादी है कि वे अपने-अपने हिसाब-किताब लगाते रहें। मगर मैं ख़ुद-एतमाद हूं कि अगर प्रियंका ने कुछ बातों का ख़्याल रखा तो आप-हम रायसीना-पहाड़ी को एक दिन पलक-पांवड़े बिछा कर उन का इंतज़ार करते देखेंगे।

मैं जानता हूं कि यह कहने के बाद कई हाथों के पत्थर मेरी तलाश करेंगे कि कांग्रेस को चुटकियों में मसल कर कांकड़ा-खोह में फेंक देने की ख़ुमारी से हमारे वर्तमान सत्तासीनों के बाहर आने का वक़्त आ गया है। 'मोशा'-युगल के सुख भरे दिन तो 4 जून के बाद वैसे भी स्थाई अलविदाई ले चुके हैं, मगर हरियाणा और महाराष्ट्र में इस जुगल-जोड़ी का नग्न मतहर्ता-नृत्य देखने के बाद जिन का छिछोरा पुंसत्व फिर उछालें खाने लगा है, वे यह बात गांठ बांध लें कि उन के दिन अंतिम तौर पर लदने के दौर का औपचारिक आरंभ इस बृहस्पतिवार को हो गया है।

पिछले दस साल से सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने जिस तरह पूरे संघ-खानदान को ताताथैया करा रखा है, राहुल-प्रियंका के संहारक-संयोजन से अगले साल-दो-साल में यह पदताल चकरघिन्नी बन जाएगी। साढ़े चार साल बाद होने वाले अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा चौथी बार सत्तासीन होने की उधेड़बुन कर रही होगी, मगर उस के पहले उसे ज़्यादा नहीं तो 18 प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की वैतरिणी पार करनी होगी।

बहुमुखी प्रतिभा के चलते राजेश खुल्लर मनोहर लाल के बाद नायब सैनी के बने भरोसेमंद

चंडीगढ़ । हरियाणा के CMO यानि मुख्यमंत्री कार्यालय में हुए विभागों के बंटवारे में सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश कुमार खुल्लर सबसे पावरफुल अधिकारी बन चुके हैं। अकेले खुल्लर के पास गृह, जेल, स्वास्थ्य, ऊर्जा, आयुष और आबकारी जैसे 21 महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है। आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर इतने अधिकारियों में राजेश खुल्लर को ही कैसे इतनी बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से नवाजा गया। हम आपकों इसके पीछे के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं।

सैनी के लिए निभाई चाणक्य की भूमिका

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल पार्ट-2 के दौरान राजेश खुल्लर उनके मुख्य प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किए गए थे। राजेश खुल्लर उस समय मनोहर लाल के विश्वास पात्रों में से एक थे। मनोहरलाल के लिए चाणक्य की भूमिका निभाने वाले राजेश खुल्लर नए मुख्यमंत्री नायब सैनी के लिए भी 13 मार्च 2024 के बाद से चाणक्य की भूमिका में रहे। नायब सैनी के लिए चाणक्य की भूमिका निभाते राजेश खुल्लर के रणनीति कौशल से हरियाणा में हैट्रिक लगी है। चुनावों में भाजपा को जीत का गुरुमंत्र देने वाले राजेश खुल्लर हरियाणा के हर राजीनितिक दल का टेंपरामेंट बेखूबी जानते हैं।

विश्व बैंक में भी कार्य कर चुके हैं खुल्लर

राजेश हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अत्यंत करीबी व निकटतम आईएएस अधिकारियों में से एक अधिकारी रहे। राजेश खुल्लर ने 1984 में पंजाब विश्वविद्यालय से फिजिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की थी। राजेश खुल्लर अमेरिका में विश्व बैंक से वापसी के बाद हरियाणा शिक्षा विभाग तथा हरियाणा लोक संपर्क विभाग के एससीएस के अलावा एफसीआर भी रहे। खुल्लर का सितंबर 2020 में तीन साल की अवधि के लिए विश्व बैंक के वाशिंगटन डीसी कार्यालय में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति का शानदार करियर रहा। खुल्लर हरियाणा और केंद्र सरकार में कई अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय में भी कार्य कर चुके हैं।

राजेश खुल्लर गुरुग्राम और फरीदाबाद के मुंसिपल कमिश्नर भी रह चुके हैं और इसके साथ ही रोहतक और सोनीपत के डिप्टी कमिश्नर भी रह चुके हैं। इससे पहले उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रधान सचिव के रूप में लगभग पांच वर्ष तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के चलते वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। हरियाणा में सत्ता व विपक्ष के अधिकांश विधायक यह मानते हैं कि राजेश खुल्लर में यह खूबी है कि वह किसी को निराश नहीं भेजते हैं। राजेश खुल्लर अपनी वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार कर्तव्य परायणता से अपने दायित्व का निर्वाह करते रहे हैं।

हर कसौटी पर खरे उतरें खुल्लर

राजनेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्री के विश्वस्त होने से लोगों को प्रशासनिक कार्य किए जाने के लिए अपेक्षाओं की कसौटी पर खुल्लर खरे उतरे चुके हैं । मनोहर सरकार के प्रधान सचिव के रूप में अतीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भरोसेमंद टीम में सबसे विश्वासपात्र हरियाणा सरकार में राजेश खुल्लर नायब सैनी के सीएमओ के सभी कार्यों,सभी चैयरमैनो, विधायकों व मंत्रियो को बखूबी पूरा मान-सम्मान देने व प्रशासनिक कार्यों में दक्षता का उनका अंदाज उनकी बेहतरीन कार्यशैली का हिस्सा रहे। कई बार विकट स्थितयों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों से सरकार को बड़ी राहत भी मिली है।

मनोहरलाल सरकार पार्ट वन में वह लोक संपर्क विभाग के एडिशनल चीफ सेक्ट्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जिसके चलते मीडिया के सभी वर्गों, संगठनों, पत्रकारों और संस्थानो से इनका जबदस्त सामंजस्य है। खुल्लर पहले लोक संपर्क विभाग में महानिदेशक के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। इस प्रकार के कईं अन्य कारण है जो राजेश खुल्लर को सीएमओ में सबसे पावरफुल अधिकारी बनने की कहानी ब्यां करते हैं। अपनी

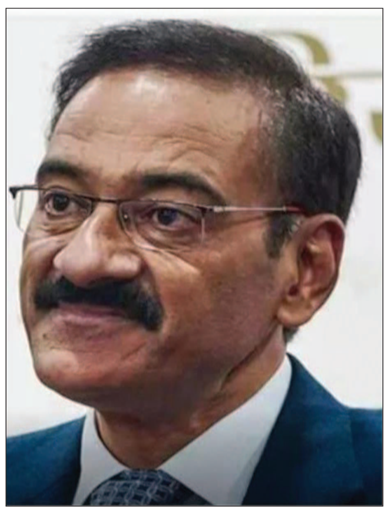

इन्हीं खूबियों के चलते खुल्लर पहले मनोहर लाल और अब नायब सिंह सैनी के विश्वासनीय अधिकारियों में सबसे ऊपर अपनी जगह बना चुके हैं।

कंबाइन संचालक के साथ लूटपाट, बदमाशों ने कपड़ा तक फाड़े...मामला दर्ज

इंद्री(मैनपाल) । दिल्ली चंडीगढ़ नैशनल हाईवे पर तरावड़ी के पास सर्विस लेन से जा रहे कंबाइन संचालक से मोटरसाइकिल सवार दो लुटेरों ने एक लाख 20 हजार रुपये की राशि छीन ली। जानकारी के मुताबिक कंबाइन चालक जींद निवासी कुलदीप अपनी मोटरसाइकिल पर गांव पूजम से 1 लाख 20 हजार रुपए लेकर तरावड़ी जीटी रोड के पास स्पेयर पार्ट की दुकान पर कुछ काम जा रहा था ।जैसे ही वह तखाना मोड़ के पास बस स्टॉप पर पहुंचा तो पीछे से आ रहे हैं मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लुटेरों ने उस पर हमला किया और उसकी कुर्ते पायजामें की जेब फाड़ दी। इसके बाद अज्ञात लुटेरे नगदी लेकर फरार हो गए। तुरंत इसकी सूचना डायल 112 पुलिस और तरावड़ी थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सीआईए पुलिस की तमाम टीमें मौके पर पहुंची। पुलिस प्रशासन ने दिल्ली चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर निजी संस्थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खँगाली। हाईवे के सर्विस लैन पर हुई इस लूट की वारदात से आसपास के लोग भी सकते में है ।पुलिस प्रशासन की टीम ने मौका मुआयन भी किया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी अपने कब्जे में ली ।जानकारी देते हुए तरावड़ी थाना प्रभारी नसीब सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे थे ।यह वारदात सर्विस लेन के पास घटित हुई ।पुलिस जल्दी ही इस वारदात का खुलासा करेगी और जल्दी ही लुटेरे पकड़े जाएंगे।

फायर ब्रिगेड विभाग और महिला एवं बाल कल्याण में ठनी

करनाल। बिल विवाद को लेकर फायर ब्रिगेड विभाग और महिला एवं बाल कल्याण में ठन गई। नौबत यहां तक पहुंच गई कि फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने महिला एवं बाल कल्याण कार्यालय की बिजली ही काट दी। महिला एवं बाल विकास ऑफिस क्योंकि फायर ब्रिगेड परिसर में ऊपरी मंजिल में चलता है ।अब बिजली कटने पर विभाग के अधिकारी कोई आपत्ति भी दर्ज नहीं करा पा रहे हैं। इस वजह से कार्यालय 7 दिन से अंधेरे में डूबा हुआ है ।हालांकि यह कार्यालय फायर ब्रिगेड परिसर में तत्कालीन डी.सी. के आदेश पर ही शिफ्ट किया गया था तब बिल व अन्य खर्चों को लेकर कोई बात नहीं हुई थी ।इसलिए दोनों विभागों की अपनी अपनी मजबूरी है। हालांकि महिला एवं बाल कल्याण ऑफिस के अधिकारियों ने बताया कि हम तो समाज कल्याण का ही काम कर रहे हैं ।ऐसे में फायर ब्रिगेड विभाग के अधिकारियों का यह तरीका तो ठीक नहीं है। दूसरी ओर फायर ब्रिगेड विभाग के अधिकारी ने बताया कि वह इस बिल को जस्टिफाई ही नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में ज्यादा बिल आने से उनकी जवाबदेही हो रही है। वह क्या जवाब दें, इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है।

कार्यालय बंद किया तो लग जाएगी गैर-हाजिरी : इधर महिला एवं बाल विकास ऑफिस बंद नहीं कर सकते क्योंकि इस हालत में विभाग के सभी कर्मचारियों की गैर-हाजिरी लग जाएगी। इसलिए कार्यालय में आना उनकी मजबूरी है लेकिन लाइट न होने की वजह से कोई काम नहीं कर पा रहे हैं। बिजली न होने से परेशान यहां के कर्मचारियों ने बताया कि फाइलों पर भी काम करना मुश्किल हो रहा है क्योंकि अंधेरे की वजह से सही से दिखता नहीं है। इसलिए हाथ पर हाथ रख ही पूरा दिन बैठना पड़ रहा है। इधर महिला एवं बाल विकास की अपनी बिल्डिंग भी बनकर तैयार हो गई है ।वहां तभी कार्यालय शिफ्ट किया जा सकता है, जब आदेश आएंगे क्योंकि अपने स्तर पर अधिकारी इस तरह का निर्णय नहीं ले सकते हैं ।बिल्डिंग की बाबत भी डी.सी. और आला अधिकारियों को जानकारी है।

फरीदाबाद पुलिस व बदमाश के बीच मुठभेड़, गोली लगने से घायल हुआ अंतरराज्यीय चोर गिरोह का सदस्य

फरीदाबाद । फरीदाबाद में पुलिस और अंतरराज्यीय बदमाश के बीच बुधवार देर रात मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में लूट गिरोह का सदस्य पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने की फायरिंग

बताया जा रहा है कि बुधवार को अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम गस्त पर थी। टीम को सूचना मिली कि अंतरराज्यीय लूट व चोरी के गिरोह का एक सदस्य विपिन जो अपनी गैंग के साथ फरीदाबाद में लगातार अपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहा है, चंदीला चौक पर आएगा। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम मौके पर पहुंची ।आरोपी विपिन गाड़ी में सवार था। पुलिस टीम को देखकर उसने अपनी गाड़ी भगा ली, जिसका अपराध शाखा टीम ने पीछा किया। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद पुलिस की टीम ने आरोपी की गाड़ी को रुकवाया तो उसने गाड़ी से उतरकर पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने फायरिंग की। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया ।इसके बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़कर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया।

कई वारदातों का हुआ खुलासा

आरोपी विपिन बिहार के गांव राज सिनोरासा का रहने वाला है। वह कुछ समय से फरीदाबाद में रह रहा था। विपिन के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने व जान से मारने की नियत से पुलिस पर फायर करने की विभिन्न धाराओं के तहत थाना बीपीटीपी (BPTP) में मामला दर्ज किया गया है। घायल आरोपी का बीके अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी विपिन पर लूट व चोरी के 12 मामले फरीदाबाद व एक मामला गुरुग्राम में दर्ज है, जो हाल में ही जमानत पर जेल से बाहर आया है। पूछताछ में ज्ञात हुआ है कि जमानत से आने के बाद आरोपी ने अपनी गैंग के साथ मिलकर फरीदाबाद में 7 नोएडा में दो और गुरुग्राम में एक, कुल 10 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

रानियां में व्यक्ति ने की खुदकुशी, मरने से पहले फेसबुक पर लाइव आकर मास्टर व ट्रांसपोर्ट संचालक पर लगाए ये आरोप

रानियां । रानियां शहर के श्याम कॉलोनी के नजदीक रहने वाले व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले व्यक्ति ने फेसबुक पर लाइव आकर अपनी मौत का जिम्मेवार अध्यापक व ट्रींसपोर्ट कपंनी के संचालक को ठहराया है। व्यक्ति की पहचान विनोद सोनी पुत्र रामेश्वर सोनी के रूप में की गई है। मृतक पेंचर लगाने का काम करता था। उसके दो बच्चें भी है। मृतक की पत्नी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो उसके पति ने फांसी लगाई थी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अपने रिश्तेदारों व पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को नीचे उताकर जांच पड़ताल की व पुलिस कार्रवाई करके पोस्टमार्टम के लिए शव को सिरसा के सामान्य अस्तपताल भिजवा दिया है। मृतक ने मरने से पहले फेसबुक पर लाइव आकर बताया कि उसके एक प्लॉट पर पोहड़का के एक मास्टर ने कब्जा किया हुआ है। पिछले 2 वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़कर थक चुका है और उसका कोई साथ नहीं दे रहा है। इसके अलावा मृतक ने एक ट्रांसपोर्ट कपंनी के संचालक पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मृतक ने वीडियो में बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो चुकी है और उसके पास रोटी खाने के पैसे नहीं बचे है जिसके कारण वह अपनी आजीविका चलाने में असमर्थ है। परेशान होकर वह अपनी जीवनलीला समाप्त कर रहा है और वह पुलिस प्रशासन से मांग करता है कि मास्टर व ट्रांसपोर्ट संचालक के खिलाफ कार्रवाई करके उसे व उसके परिवार को न्याय दिलवाया जाएं। इस मौके पर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी पूजा रानी के ब्यान पर उक्त मास्टर व ट्रांसपोर्ट संचालक के खिलाफ केस दर्ज जांच शुरु कर दी है।

'बात जब पिता-पुत्र की रह जाए तो पार्टी को खामियाजा भुगतना पड़ता है', श्रुति चौधरी का कांग्रेस पर निशाना

करनाल । कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर चुटकी लेते हुई नजर आई। श्रुति चौधरी ने कहा कांग्रेस पार्टी में केवल पिता-पुत्र की बात रह गई। जिसका परिणाम आज कांग्रेस को भुगतना पड़ रहा है।

मंत्री श्रुति चौधरी 9 दिसंबर को पानीपत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर कार्यकर्ताओं की बैठक बीजेपी कार्यालय पहुंची थी।यहां मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। वहीं उन्होंने प्रदेश और केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनवाई।

कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष पर कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी हंसते हुए हंसते नजर आई। उन्होंने कहा कांग्रेस अगर ठीक रास्ते पर चलती तो इतने लोग कांग्रेस को क्यों छोड़ते, खास तौर पर वह लोग जिन्होंने अपना जीवन कांग्रेस पार्टी को दिया हो। आज के दिन कांग्रेस ने खुद को ही कटघरे में खड़ा किया हुआ है, क्योंकि कांग्रेस सही समय पर कोई भी फैसला नहीं ले पाती है। कांग्रेस आपस में उलझी रहती है, लोगों के काम से बहुत दूर हो चुकी है। उन्होंने कहा कांग्रेस में केवल पिता पुत्र की बात रह गई है। जब इस प्रकार की बात आ जाती है तो पार्टी को उसका कामयाजा भुगतना पड़ता है।

किसानों के दिल्ली कूच करने के आह्वान पर श्रुति चौधरी ने कहा किसान हमारे प्रदेश के रीड़ की हड्डी हैं। हरियाणा ऐसा पहला प्रदेश जहां 24 फसलों पर प्रदेश सरकार MSP पर खरीदती है। सरकार किसानों के एक-एक दानें को खरीदने को प्रतिबध है।

फतेहाबाद में नकली पिस्तौल दिखाकर की लूटपाट, पुलिस ने 2 युवकों को किया गिरफ्तार

अंबाला। फतेहाबाद (रमेश कुमार)= नेशनल हाईवे बाईपास पर नकली पिस्तौल दिखाकर 2 युवकों से बदमाशों ने लूट की। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों को कुछ ही घंटों में काबू कर लिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के पास से वारदात से प्रयोग की गई खिलौना की पिस्तौल, बाइक और 720 रुपये की नकदी बरामद कर ली। आरोपियों की पहचान प्रमोद उर्फ प्रमोदी और अजय उर्फ अजिया के नाम पर हुई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नकली पिस्तौल दिखाकर की लूट

जानकारी के अनुसार 4 दिसंबर को तोशाम के निवासी अनिल ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दी। उन्होंने शिकायत में कहा कि वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने दोस्त अजमेर निवासी जिला भिवानी के साथतोशाम से सिरसा एक शादी में जा रहे थे। जैसे ही वह फतेहाबाद में हिसार-सिरसा बाईपास पर सैनी ढाणी के पास पेशाब करने के लिए रुके तो इसी दौरान 2 युवक बाइक पर वहां आ गए। इन युवकों ने उन पर नकली पिस्तौल तान दी और उनसे 1 हजार रुपये छीनकर मौके से फरार हो गए।

आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेजा

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और युवकों की तलाश शुरू कर दी है। इस मामले में जांच अधिकारी एसआई राजेन्द्र कुमार ने अहम सुराग जुटाते हुए दोनों युवकों को हांसपुर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

आरोपियों से पूछताछ कर रही पुलिसः थाना प्रभारी

इस मामले को लेकर थाना प्रभारी प्रहलाद राय ने बताया कि युवकों से लूट करने के मामले में पुलिस ने 2 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। बदमाशों से पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है।

जींद में रणबीर गंगवा का कांग्रेस पर हमला, बोले- ये पार्टी नहीं अलग-अलग गुट है

जींद। उचाना शहर की धर्मशाला में भाजपा की मीटिंग आयोजित की गई। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा पहुंचे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने पीएम नरेंद्र मोदी के 9 दिसंबर को पानीपत में होने वाले कार्यक्रम को उचाना हलके से अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान उनके साथ विधायक प्रतिनिधि के तौर पर रामचंद्र अत्री, डॉ. रामचंद्र जांगड़ा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

रणबीर गंगवा ने कहा कि उचाना हलके की मीटिंग में हमने जो पार्टी के पदाधिकारी है उनकी ड्यूटी लगाने के लिए बुलाया गया था। 9 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी पानीपत में आ रहे है। बीमा सखी कार्यक्रम में आएंगे। महिलाओं की हाजरी अधिक से अधिक हो इसके लिए कार्यकर्ताओं को बुलाया गया था। दो लोकार्पण पर भी वो करेंगे जम्मू कटडा हाइवे है हरियाणा का पार्ट है उसका लोकार्पण करेंगे। करनाल के अंदर जो हार्टिकल्चर जो यूनिवर्सिटी है उसका भी उद्घाटन करेंगे। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लगाई गई है उचाना हलके से पानीपत पहुंच कर पीएम के कार्यक्रम में पहुंचे।

कांग्रेस पार्टी नहीं है, कांग्रेस अलग-अलग गुट है: कैबिनेट मंत्र

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नहीं है, कांग्रेस अलग-अलग गुट है, कहीं हुड्डा तो कहीं शैलजा कहीं सुरजेवाला का गुट है। इसलिए उनके सामने ये समस्याएं उनके सामने आ रही है, वो अपना विपक्ष का नेता तय नहीं कर पा रहे है। कांग्रेस पार्टी आने वाले समय के अंदर ओर धरातल के अंदर जाएगी। कांग्रेस पार्टी लोगों का विश्वास खो चुकी है। गंगवा ने कहा कि किसानों के दिल्ली कूच पर बोलते हुए कहा कि हरियाणा के अंदर कोई इश्यू किसानों का नहीं है। सभी फसलों को हरियाणा में एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। सबसे अधिक मुआवजा किसानों को देने का काम किया है।

किसानों के खाते के अंदर खरीदी गई फसल की राशि भेजी जा रही है। किसानों की जो मांग थी किसानों की शिकायत के लिए कोई कमेटी बनाई जाए उनकी मांग के ऊपर उनकी मांग को पूरा किया गया है। दिल्ली कूच करने की बात है कोई भी जा सकता है कानून व्यवस्था को भंग करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। जिस तरह से दिल्ली में पहले लाल किले के अंदर हुआ उसको लेकर सरकार सचेत है।

रणबीर गंगवा ने ईवीएम पर कांगेस पर साधा निशाना

रणबीर गंगवा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब 5 सीटें हरियाणा में जीती लोकसभा के अंदर तो ईवीएम सही थी, तब ईवीएम खराब नहीं थी। कांग्रेस जब कह रही थी कि हमने चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया। अच्छा प्रदर्शन कांग्रेस ने नहीं किया, बल्कि भ्रमजाल फैलाने का काम किया था। लोगों में संविधान की प्रति लेकर जो भ्रमजाल फैलाया था कि भाजपा आएगी तो संविधान बदलने का काम कर देगी। इस तरह के एक-एक झूठ फैलाकर चुनाव जीतना चाहते है। झूठ ज्यादा दिन तक नहीं चलता। इसलिए कांग्रेस को अपना आत्म मंथन करना चाहिए कि वो चुनाव क्यों हार रहे है। वो अपने लोगों का विश्वास खो चुके है ईवीएम खराब नहीं है।

सीएम फ्लाइंग की रेड से तहसील कर्मियों में मचा हडक़ंप

गुडग़ांव । फर्रुखनगर तहसील में वीरवार को की गई सीएम फ्लाइंग की रेड से तहसील कर्मियों में हडक़ंप मच गया। रेड के दौरान अन्य महकमे के कर्मी सतर्क हो गए। सीएम फ्लाइंग ने तहसील से रजिस्ट्रियों की जांच की और रिकार्ड का अवलोकन किया। वहीं सर्वर डाऊन होने के कारण टीम को पूरा रिकार्ड नहीं सका ।सीएफ फ्लाइंग ने अधिकारियों को एक दो दिन में रिकार्ड मुहैया कराने के लिए अधिकारियों को कहा है। सीएम फ्लाइंग की टीम ने डीएसपी देवेंद्र की अगुवाई में वीरवार को फर्रुखनगर तहसील कार्यालय में रेड की। छापेमारी से तहसील के कर्मचारियों में हडक़ंप मच गया। इस दौरान टीम को कई पटवारी और कर्मचारी नदारद मिले। सीएम फ्लाइंग टीम ने तहसील का रिकार्ड खंगाला और दर्जनों फाईल अपने साथ लेकर गई। यह रेड करीब पांच घंटे तक चली। रेड की सूचना मिलते ही खंड स्तरीय अन्य सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी सतर्क हो गए। डीएसपी देवेद्र ने बताया कि रेड का उदेश्य आमजन के कार्य पारदर्शिता से हो और उनकी लंबित समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि कार्यालय तहसील फरूखनगर से 2024 में की गई रजिस्ट्रियों की जांच की गई और रिकार्ड प्राप्त किया गया।

नायब सरकार का दुष्यंत चौटाला को झटका, ड्रीम प्रोजेक्ट पर लगाई रोक, गंगवा बोले- जरूरत हुई तो देखेंगे

चंडीगढ़ । नायब सरकार ने पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को झटका देते हुए उनके 681 करोड़ के ड्रीम प्रोजेक्ट पर रोक लगा दी है। इसकी जानकारी हिसार में PWD मंत्री रणबीर गंगवा ने दी। PWD मंत्री ने कहा कि अगर जरूरत हुई तो इस प्रोजेक्ट पर फिर से गौर किया जाएगा लेकिन फिलहाल ऐसी कई परियोजनाएं टेबल पर हैं जिनके पूरा होने से जाम को समस्या खुद व खुद खत्म हो जाएगी। रणबीर गंगवा के मुताबिक हिसार के चारों तरफ रिंग रोड बनने के प्लान है और इस प्लान के बनने के बाद हिसार की तरफ आने वाले लोग बाहर से दिल्ली, चंडीगढ़, सिरसा या फिर राजस्थान की ओर सीधे जा सकेंगे। इसके चलते लोगों को जाम में फंसना नहीं पड़ेगा। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और उन्होंने एक प्रस्ताव तैयार करने को कहा है जिस पर रिंग रोड पर ग्रीन सिग्नल मिल सकता है। गौरतलब है कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का ये ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए साल 2020 में चौटाला ने क्ख्ऋके अधिकारियों से बैठक भी की थी। फिर प्रस्ताव बनने के बाद सरकार को भेजा गया था, जहां सीएमओ में जाकर फाइल अटक गई थी। जब तक प्रोजेक्ट पर मंजूरी मिले, गठबंधन टूट चुका था, सीएम मनोहर लाल की जगह अब नायब सैनी बन चुके थे। इसके बाद इस प्रोजेक्ट पर काम ठप हो गया।

अतिक्रमण पर आदेशों की अवहेलना करने वाले दुकानदारों को मिलेगी ये सजा, दी गई चेतावनी

करनाल। अतिक्रमण पर सख्ती बरतते हुए निगम आयुक्त डा. वैशाली शर्मा ने आदेशों की अवहेलना करने वाले दुकानदार की अलाटमैंट रद्द करने की चेतावनी दी है। निगमायुक्त ने नेहरू पैलेस मार्कीट तथा अन्य दुकानें, जो इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट स्कीम में आती हैं या नगर निगम की हैं, को चेतावनी देते कहा कि ऐसे सभी दुकानदार, दुकान के आगे बने बरामदे को खाली रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी आदेशों की अवहेलना करेगा, नगर निगम द्वारा इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट के नियम व शर्तों के आधार पर सम्बंधित दुकान की अलॉटमैंट रद्द की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बरामदा ग्राहकों के आने-जाने के लिए है, न कि सामान रखने के लिए।

नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा के निर्देश पर शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम ने योजना तैयार कर ली है। इसके तहत बाजारों व सड़कों से अतिक्रमण हटाने को लेकर दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी वालों को 2 दिन का समय दिया गया है। इसके बाद नगर निगम अपनी कार्रवाई शुरू करेगा। निगमायुक्त ने बताया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में आने वाले ग्राहकों तथा सड़कों से गुजरने वाले वाहनों को अतिक्रमण के कारण असुविधा न हो, इसे लेकर शहर के सभी बाजारों में अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दुकानों के आगे रखे सामान को हटाने, सड़क के ऊपर रेहड़ी-फड़ी न लगाने तथा दुकानों के आगे बने बरामदे को खाली करने को लेकर मुनादी करवाई जा रही है। उन्होंने नेहरू पैलेस मार्कीट, कर्ण गेट, कुंजपुरा रोड, रेलवे रोड तथा गुड मंडी सहित सभी मार्कीट के दुकानदारों को 2 दिन की मोहलत देते हुए कहा कि सभी दुकानदार अपने सामान को दुकान के अंदर रखें।

दुकान से बाहर सामान नहीं रखा जाना चाहिए, चाहे दुकान के आगे बरामदा भी हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुकानदार बरामदे को जल्द से जल्द खाली करें। उन्होंने कहा कि 2 दिन के बाद नगर निगम द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी दुकानदार का सामान बाहर रखा पाया जाता है तो उसका सारा सामान जब्त करने के साथ-साथ उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दुकान के अंदर सामान रखने तथा बरामदे खाली करने को लेकर नेहरू पैलेस मार्कीट के सभी दुकानदारों को नगर निगम द्वारा नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त सभी दुकानदारों को दुकान के आगे रेहड़ी-फड़ी या काऊंटर लगवाने की भी मनाही की गई है।

शिकायतों को लंबित न रखें अधिकारी-डा. विवेक भारती

फरीदाबाद की आवाज

नारनौल। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक कार्य दिवस पर जिला व उप मंडल स्तर पर सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज उपायुक्त डा. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में नागरिकों की शिकायतें सुनीं। जिला में आज कुल 22 शिकायतें सुनीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। डीसी ने बताया कि जिला में लग रहे समाधान शिविरों में नागरिकों का त्वरित गति से समाधान हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को पूरी गंभीरता के साथ सुना जाए। कोई भी शिकायत ज्यादा समय तक लंबित नहीं होनी चाहिए। लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना हम सब की जिम्मेदारी है।

इस मौके पर एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, नगराधीश मनजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समाज हित में नहीं हैं बाल विवाह-रुक्मिणी शर्मा

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के समर्थन में सरकारी स्कूल, कॉलेज तथा गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सिमरन शर्मा ने बताया कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की सहयोगी संस्था शक्ति वाहिनी द्वारा इस विषय में सक्रिय अभियान चलाया जा रहा है। आज गांव कादीपुर तथा राजीव नगर में आंगनबाड़ी सेंटर व राजकीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शक्ति वाहिनी संस्था की रुक्मणी शर्मा, विनीता तथा समीर जैदी ने बताया कि कम उम्र में विवाह के कारण लड़कियों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव होता है। विवाह के लिए स्वस्थ शरीर और परिपक्व बुद्धि होनी चाहिए। जो किशोर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं, उनकी जल्दी शादी हो जाए तो पढ़ाई बंद हो जाती है। इसलिए अभिभावकों को 21-22 साल की आयु के बाद युवाओं का विवाह करना चाहिए।

जाति और धर्म से पहले हैं देश-राहुल सहारनपुर

फरीदाबाद की आवाज

बिजनौर/सहारनपुर। जनपद सहारनपुर निवासी युवा राहुल भाई अपने युवा साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए राष्ट्रहित में देश से जात पात की भावना से ऊपर उठकर नो कॉस्ट ऑनली राष्ट्र के मिशन को आगे बढ़ाए जाने का प्रयास कर रहे हैं। इस संबन्ध में राहुल भाई सहारनपुरी द्वारा संवाददाता को फोन वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया गया है कि 1947 से पूर्व भारत देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करने वाले प्रत्येक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश पर मर मिटने वाले शहीद अपने आप को सबसे पहले भारतीय मानते थे। एक सच्चे भारतीय होने के कारण उनके द्वारा भारत देश को आजादी दिलाई जाने हेतु कठिन संघर्ष किया गया था। भारत के उन महान सपूतों ने अपने शरीरों पर अंग्रेजों की लाठियां और सीने पर अंग्रेजों की गोलियां भी खाई। तब जाकर भारत माता को अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। मुख्य बात यह है कि तत्कालीन स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत के महान सपूतों के बीच जात-पात की भावना का जहर नहीं था। और यदि था तो केवल और केवल भारतीय होने का गर्व। यदि उस समय स्वतंत्रता प्राप्ति के स्वतंत्रता सेनानियों तथा देश के नौजवानों के बीच जात-पात की भावना होती तो भारत देश किसी भी दशा में स्वतंत्र नहीं हो सकता था। परंतु आज बड़े ही । दुर्भाग्य की बात है। आजादी को विरासत में प्राप्त करने ! के उपरांत देश के कुछ लोगों द्वारा देश में अपना वर्चस्व ! बढ़ाने एवं सत्ता सुख प्राप्त करने के लालच में देश की ! आम जनता को जात पात में बांट कर राजनीति की जा रही है। उन्होंने आगे कहा है कि भारत में रहने वाले प्रत्येक भारतीय के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए तथा प्रत्येक भारतीय के हृदय में जाति एवं धर्म से पहले देश हित की भावना की भावना होनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय के मन में सभी जाति व धर्म के लोगों के प्रति आपसी प्रेम भावना होनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय के दिल में एक दूसरे धर्म के प्रति नफरत के स्थान पर सम्मान। होना चाहिए। परंतु मेरे प्यारे वतन भारत में यह क्या हो है। भारत में रहने वाला प्रत्येक नागरिक एक भारतीय के स्थान पर जाति से पहचाना जा रहा है। कोई धर्म के नाम पर तो कोई जाति के नाम पर आम जनता को आपस में बांटने का कार्य कर रहा है। यह विचारणीय प्रश्न है कि यदि जात-पात के आधार पर राष्ट्र चलाऐ जाने का कार्य किया जाने लगे। तो क्या सत्ताधारी जात के लोगों का देश में वर्चस्व नहीं बढ़ जाएगा ? और अन्य आम जाति के लोगों के प्रति देश में अत्याचार बढ़ नहीं जाएगा। यदि वर्तमान समय में देश को जात पात के जहर से बचाते हुए देश को उन्नति में तरक्की एवं खुशहाल देखना है तो देश से जात व पात की भावना से ऊपर उठकर देश को ! नो कॉस्ट केवल राष्ट्र के मिशन को आगे बढ़ाते हुए मिशन को सफल बनाना होगा। और यह मिशन तभी सफल होना संभव है जब इसमें भारत के नौजवान राष्ट्र की भावना को हृदय में रखते हुए आगे आयें तथा नो कॉस्ट ओन्ली राष्ट्र के मिशन पर देश को आगे बढ़ाने का कार्य करें।

दूल्हे ने लौटाएं दहेज में मिले 11 लाख, पेश की मिशाल

रेवाड़ी। शादी समारोह में दहेज लेने की जहां होड़ लगी रहती है, वहीं एक दूल्हे ने लग्न समारोह में मिले 11 लाख रुपये दहेज लौटाकर मिशाल पेश की है। दूल्हे व उसके पिता ने जब यह दहेज सम्मान के साथ कन्या के पिता को वापिस किया तो उसके आंखें भर आईं। दूल्हे ने दहेज में केवल एक रुपया लिया। समाचारों के अनुसार जिला महेन्द्रगढ़ के गांव कौथल खुर्द के नत्थूराम की पुत्री सपना का रिश्ता बावल क्षेत्र के गांव धारण की ढाणी के मुकेश पहलवान के पुत्र सौरभ डागर के साथ हुआ है। गुरुवार को लग्न समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें कन्या के पिता परिजनों के साथ समारोह में पहुंचे। समारोह शुरू होते ही सपना के पिता नत्थूराम ने 11.11 लाख रुपये दूल्हे की झोली में जैसे ही रखे तो दूल्हे ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया और कहा कि वह शगुन के तौर केवल एक रुपया स्वीकार करेगा। लड़के के पिता मुकेश पहलवान ने भी अपने बेटे के इस पहल पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दहेज बहुत बड़ा पाप है। बहुत से गरीब परिवारों को दहेज के कारण कर्ज लेना पड़ता है। उसका बेटा सौरभ मां भारती फाउंडेशन के नाम से एक एनजीओ चलाता है और इस संस्था के माध्यम से दहेज व अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों का जागरूक करता है। ऐसे में जो दहेज की खिलाफत करता हो, वह दहेज कैसे ले सकता है। उसके बेटे ने आज उसका सीना चौड़ा कर दिया है। जिस समय दहेज में मिले 11 लाख रुपये कन्या के पिता को लौटाये तो उसकी भी आंखें भर आईं। पिता नत्थूराम ने कहा कि उन्हें आज विश्वास हो गया है कि उसकी बेटी एक अच्छे कुल में जा रही है। इस बारे में जब सौरभ डागर से बात की गई तो उसने कहा कि वह एक सामाजिक एनजीओ चलाते हैं। जिसके माध्यम से दहेज न लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि दहेज सबसे बड़ा अभिशाप है। हमें न तो दहेज लेना चाहिए और न ही देना चाहिए। उसने आज लग्न में मात्र एक रुपया लिया है।

देश, धर्म और जाति से ऊपर उठकर विश्व नव निर्माण कर रही हैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था-स्वामी सर्वानंद

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय साधु संत महासम्मेलन का आयोजन हुआ। पावन श्रेष्ठाचारी सुखमय भारत की पुनर्स्थापना विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अनेक संतों ने अपने विचार रखे। दादी प्रकाशमणी सभागार में बोलते हुए महाशक्ति पीठ दिल्ली से आए महामंडलेश्वर सर्वानंद सरस्वती ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ धारणाओं से है। आज हमने संप्रदाय को ही धर्म समझ लिया है। ब्रह्माकुमारीज़ देश, धर्म और जाति से ऊपर उठकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पवित्रता के आधार से नई दुनिया की पुनर्स्थापना धर्म सत्ता ही कर सकती है। हमें सिर्फ बाहर से नहीं बल्कि अंदर से साधु बनने की जरूरत है। रुड़की से आए महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद भारती ने कहा कि धर्म के मार्ग पर चलने वाले की रक्षा धर्म स्वयं करता है। उन्होंने कहा कि पाप की मूल जड़ें अशुद्ध कामनाएं हैं। श्रेष्ठाचारी भारत के निर्माण का आधार धर्म है। ऋषिकेश से पधारे महामंडलेश्वर स्वामी स्वतंत्रानंद महाराज ने कहा कि सम्मान उन्हीं का होता है जो जोड़ने का कार्य करता है। हमें जीवन को आज सामाजिक समरसता बहुत जरूरी है। हरि मंदिर पटौदी से महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने कहा कि संतों की वजह से ही आज पूरे विश्व में भारत का नाम बड़े गौरव से लिया जाता है। भारत विश्व गुरु है क्योंकि भारत ही पूरे विश्व को अज्ञान अंधकार से निकालता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था सनातन धर्म की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद महाराज ने कहा कि सनातन धर्म एक मात्र ऐसा है जो सारे विश्व को परिवार मानता है। भारत परमात्मा की अवतरण भूमि है। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं जो इस महान भूमि में पैदा हुए। अयोध्या से आये रसिक पीठाधीश्वर महंत जनमेजय शरण महाराज ने कहा कि परमात्मा से जुड़ने का एक मात्र सूत्र प्रेम है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में ईश्वर से मिलाने वाला केवल एक ब्रह्माकुमारीज विश्व विद्यालय है। हरिद्वार से आए महामंडलेश्वर स्वामी यमुनापुरी जी महाराज ने कहा कि मनुष्य का जन्म ही धर्म के साथ होता है। आत्मा के मूल गुण ही वास्तव में धर्म का स्वरूप है। बिना धर्म के जीवन पशु तुल्य है। अपने मूल स्वरूप अर्थात धर्मानुकूल कर्म करने से ही श्रेष्ठ समाज की स्थापना होगी। कर्म की कुशलता का नाम ही योग है। कटनी, मध्य प्रदेश से पधारे आचार्य परमानंद जी महाराज ने कहा कि सुखमय भारत की पुनर्स्थापना में धर्म की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि विधर्म को मिटाने के लिए विधर्म की सोच को मिटाना जरूरी है। जब तक मानसिक शुद्धि नहीं होगी, तब तक सनातन धर्म पुनर्स्थापित नहीं होगा। महर्षि भृगु पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को मैंने स्वयं अपनी आंखों से पल्लवित और पुष्पित होते देखा है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की कथनी और करनी समान है। विश्व भर में सभी धर्मों को एक साथ लाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ ने किया है। महामंडलेश्वर स्वामी विद्यागिरी जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें नारी शक्ति को जगाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के प्रमुख महासचिव राजयोगी बृजमोहन ने कहा कि परमात्म प्रेम ही वास्तव में सत्य है। परमात्मा अविनाशी होने के कारण उसका प्रेम भी अविनाशी है। परमात्म प्रेम में ही सच्चा सुख है। वर्तमान समय मनुष्य जिसे प्रेम समझते हैं, वो विनाशी है। विनाशी व्यक्तियों और वस्तुओं से होने के कारण उसमें दुःख समाया हुआ हो। परमात्मा से सच्चे स्नेह के आधार से ही श्रेष्ठ भारत की पुनर्स्थापना हो सकती है। ह्त्र्ष्ट की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि ब्रह्मा बाबा सदा ही साधु संतों का सम्मान करते थे। ब्रह्मा बाबा सदा यही कहा करते थे कि संन्यासियों के त्याग, तपस्या और पवित्रता के कारण ही भारत की संस्कृति को कोई मिटा नहीं पाया।

क्राइम डायरी

5 दिसंबर को दूसरे राउंड के लिए अंतर-स्कूल Road Safety, Quiz Competition का कराया गया आयोजन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद- बता दे कि पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार व पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह के दिशा-निर्देश तथा डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर के नेतृत्व में विद्यार्थियों में यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से आज जिला फरीदाबाद के 705 स्कूलों में दूसरे राउंड के लिए अंतर-स्कूल Road Safety, Quiz Competition का आयोजन कराया गया, प्रतियोगिता में करीब 6000 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के लिए एसीपी ट्रैफिक शैलेन्द्र को नोडल अधिकारी बनाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र- छात्राओं में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुक करने के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी Road Safety, Quiz Competition कराया जा रहा है, 5 दिसंबर को फरीदाबाद के 705 स्कूलों में दूसरे राउंड के लिए अंतर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें करीब 6000 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए कक्षाओं के 4 ग्रुप बनाए गए, जिसके लिए कक्षा 3rd से 5th , 6th से 8th , 9th से 12th और कॉलेज के ग्रुप बनाए गए। प्रतियोगिता को संबंधित थाना की टीम द्वारा आयोजित कराया गया। मूल्यांकन उपरांत विद्यार्थियों का तृतीय चरण के लिए चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के चार चरण है प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को यातायात नियमों और रोड सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरुक करना है, ताकि युवा पीढ़ी यातायात नियमों के प्रति जागरुक होकर यातायात नियमों की पालना करे। इस प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 2013-14 से किया जा रहा है, 12 नवम्बर को आयोजित प्रतियोगिता में जिला फरीदाबाद के करीब 264798 छात्रों ने भाग लिया था।

सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा लगातार जागरुक्पुलिसिंग टीम ने 1800 से अधिक छात्रों को नशे के दुष्परिणाम बारे, साइबर फ्रॉड डालय 112, महिला सुरक्षा की जानकारी देकर किया जागरुक

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दे कि पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह के दिशा निर्देश पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा आमजन को विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया जा रहा है, इसी क्रम में सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा आज विभिन्न स्कूलों का संस्थानों में मुख्य रूप से छात्रों व अध्यापकों को निम्न बिंदुओं पर किया जागरूक गया है

1.नुक्कड़ नाटक द्वारा यातायात नियमों का संदेश

सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने टिक के सहयोग से नुक्कड़ नाटक का मंचन करवाया, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विशेष प्रकाश डाला गया

मोबाइल फोन का उपयोग वाहन चलाते समय न करें।

सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

दो पहिया वाहन पर चालक और सह-चालक दोनों हेलमेट पहनें।

रेड लाइट जंप ना करें।

सड़क पार करते समय सतर्कता बरतें।

नशे की हालत में गाड़ी न चलाएं।

2.डायल 112 और हिट एंड रन मामलों की जानकारी

डायल 112 और इंडिया 112 ऐप के महत्व को विस्तार से बताया गया।

हिट एंड रन मामलों में मिलने वाले मुआवजे के बारे में समझाया गया-

मृतक के परिजनों को ?2,00,000 मुआवजा।

गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को ?50,000 मुआवजा।

3. ट्रिप मॉनिटरिंग की जानकारी

विद्यार्थियों को ट्रिप मॉनिटरिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया गया, ताकि वे यात्रा के दौरान अपने परिजनों से संपर्क में रहें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर सकें।

4.सड़क सुरक्षा की शपथ

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित विद्यार्थियों, अध्यापकों और अभिभावकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। इस जागरूकता कार्यक्रम ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को यातायात नियमों, साइबर सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं के महत्व के प्रति जागरूक किया। उपस्थित जनों ने फरीदाबाद पुलिस की इस पहल की सराहना की और फरीदाबाद को सड़क दुर्घटना मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

NO ENTRY के दौरान फरीदाबाद शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर की जाएगी सख्त कार्यवाही

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दें कि पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर के दिशा निर्देशानुसार शहर में सुबह/सांय लगने वाले जाम को देखते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जाम की समस्या के निवारण के लिए यातायात पुलिस फरीदाबाद द्वारा शहर में भारी वाहनों के शहर में प्रवेश के लिए No Entry के आदेशों की सख्ती से पालना कराने की मुहीम चलाई गई है। भारी वाहनों के लिए सुबह 07:00 से 10:30 बजे तक तथा सांय 05:00 से रात 11:00 बजे तक No Entry होती है। उक्त No Entry नागरिकों को सुबह-शाम लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने तथा दुर्घटनाओं को कम करने के लिए लागु की हुई है। यातायात पुलिस फरीदाबाद द्वारा भारी वाहन संचालकों को सहयोग की आशा रखते हुए निर्देशित किया जाता है कि No Entry की पालना सुनिश्चित की जाए तथा No Entry समय के दौरान भारी वाहनों को सड़क पर खड़ा नही किया जाए। यातायात नियमों की उल्लंघना करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर द्वारा शहर के मुख्य चौक चौराहों का जायजा लिया जा रहा है। यातायात

पुलिस फरीदाबाद की आमजन से अपील है कि फरीदाबाद में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यातायात नियमों का पालन करके यातायात पुलिस का सहयोग करें।

सुरक्षित समाज के निर्माण पर चर्चा, पुलिस उपायुक्त हृढ्ढञ्ज कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का किया गया आयोजन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दे कि आज पुलिस उपायुक्त हृढ्ढञ्ज के नेतृत्व में पुलिस पब्लिक कोऑर्डिनेशन कमेटी की एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और अन्य संबंधित व्यक्तियों ने भाग लिया।

गोष्ठी के दौरान विचार विमर्श किए गए बिन्दुओं का विवरण

1.सुरक्षित समाज का निर्माण

गोष्ठी में उपस्थित नागरिकों से एक सुरक्षित, अपराध मुक्त और नशा मुक्त समाज बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए।

सामुदायिक पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस और जनता के बीच समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

2.सुझाव और शिकायतों का समाधान-

सभी व्यक्तियों से उनकी समस्याएं और शिकायतें सुनी गईं।

प्राप्त शिकायतों को तुरंत संबंधित चौकी प्रभारी और थाना प्रबंधकों को समाधान के निर्देश दिए गए।

जिन सुझावों को अमल में लाया जा सकता है, उन पर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

3.पुलिस की प्रतिबद्धता

पुलिस उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आप को पुलिस की आंख और कान मानकर हर प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत दें। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भागीदारी से ही अपराध मुक्त समाज की परिकल्पना साकार हो सकती है।

संदेश-

यह गोष्ठी पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम बनी। कुलदीप कुमार पुलिस उपायुक्त हृढ्ढञ्ज ने कहा कि %फरीदाबाद पुलिस% हमेशा जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए तत्पर है और सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से सभी के साथ मिलकर समाज को सुरक्षित और सशक्त बनाने का हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेज और एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

- **टी-शर्ट विद स्लोगन :** युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाइल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह लाइन जो आपके दिमाग में है।
- **बेसबॉल कैप्स :** कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहने हुए देखे जा सकते हैं। बेसबॉल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी ट्रेंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जींस और टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।
- **स्कार्व्स :** मोटे निटेड वालों से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। यह वेस्ट पर या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए बहुत अच्छे लगते हैं।
- **जंक ज्वैलरी :** सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड्स भी टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेट या एक कान में इयरिंग पहनना अच्छा लगता है।
- **पोलका डॉट्स :** पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं जाते। लड़कियां एक वेल फिटेड पोलका डॉट ड्रेस हील्स के साथ पहन सकती हैं। यह यलो और ग्रीन कलर में बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिंग्स और फ्लैट्स के साथ पहन सकती हैं।
- **बेल्ट्स :** लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसेज, लॉन्ग टी-शर्ट और ट्यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।
- **मोबाइल फोन :** लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढ़ाते हैं।

लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिंग लुक में हैं।

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

ताजगी भरा अहसास

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।

बच्चों में भी फैशन का क्रेज

फैशन की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे ज़ो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां-बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल वगैरह-वगैरह।

खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जाते हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समां सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

जायका

पालक पनीर

सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच (डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नींबू का रस मिला दीजिये।

वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर :

मेरा वाला पिंक चाहिए! : पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

घेर वाले परिधान : ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हुए खुला छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे। फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली कट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।

घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।

रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।

प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

मोहनलाल की एल 2- एमपुरान की शूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2- एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एल 2- एमपुरान के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था।

एक्स अकाउंट पर किया व्यक्त

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है।
इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2- एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा,यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2- एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2- एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री पत्रलेखा भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और सोशल मीडिया पर कैसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अकसर ही जिम के बाहर पैपराजी घेर लेते हैं और उनकी तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी के बारे में कहा कि वह लोग काफी अच्छे होते हैं, अगर मैं उन्हें कहूं कि आज अच्छा गेटअप नहीं है और फोटो मत लो तो वह मेरी बात मान लेते हैं। इस पर इंटरव्यू ले रहे व्यक्ति ने पूछा कि क्या आप पैपराजी को खुद बुलाती हैं। इस पर पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूं। इसके जवाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तो पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हामी भरती हैं।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेल्फी खींच कर सोशल मीडिया पर डालती हैं। उनको इस पर खूब लाइक्स भी मिलते हैं। क्या सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले वह सोच-विचार करती हैं। पत्रलेखा इस सवाल के जवाब में कहती हैं, 'ऐसा नहीं है। मुझे अपनी जो फोटो अच्छी लगती है, सही लगती है, वह मैं शेयर कर देती हूं। मैं अपने मन की सुनती हूं, अपने मन की करती हूं।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखती हैं, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती हैं कि जब राजकुमार राव घर पर होते हैं तो उन्हें कोई फिल्म या शो देखने का सजेशन देते हैं। इसी तरह से वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्में सजेस्ट करती हैं। दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनपसंद खाना खाते हैं।

ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की वेनम और एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं। ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं। स्पाइरो रजाटोस ने इससे पहले वेनम और द फेट ऑफ द फ्यूरियस जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशन किया है। वहीं, एवेंजर्स- एज ऑफ अल्ट्रॉन में सी योंग ओह तथा जवान और पठान में सुनील रोड्रिग्स ने काम किया है। बताया जा रहा है कि यह तिकड़ी एक शानदार और स्टाइलिश फाइट सीक्वेंस तैयार कर रही है, जो दर्शकों को लिए एक बेहद शानदार अनुभव होने वाला है।

दमदार होगा फिल्म का क्लाइमेक्स

फिल्म को एक शानदार अनुभव बनाने के निर्माताओं द्वारा काफी सारी चीजें की जा रही हैं, जिसके तहत फिल्म के क्लाइमेक्स में दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन सीक्वेंस दिखाया जाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दिसंबर के मध्य में मुंबई में हाई-ऑक्टेन क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग करेंगे, जिसे 15 दिनों के शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। दोनों कलाकार गोरेगांव में फिल्म सिटी और अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में इसकी शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी व्यक्तिगत रूप से सेट डिजाइन और जटिल एक्शन कोरियोग्राफी की देखरेख कर रहे हैं।

अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी वॉर 2

बताते चलें कि यशराज फिल्म्स की वॉर 2 अगले साल 2025 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आदित्या चोपड़ा द्वारा बनाया जा रहा है, जबकि अयान मुखर्जी इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे, जो बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूं

टीवी पर दुल्हन बनू मैं तेरी से रातों-रात लोकप्रिय होने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने छोटे पर्दे पर एक अरसा बिताने वाली ये अभिनेत्री नच बलिये और फियर फैक्टर -खतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। इन दिनों वे वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शीरी में दिखाई दे रही हैं। उनसे एक बातचीत। अपनी सीरीज के बारे में वे कहती हैं, ये कहानी सिर्फ एक औरत के अधूरे सपनों को पूरा करने की नहीं है बल्कि बुजुर्गों की कहानी भी है कि वे कैसे इफेक्ट हो रहे हैं? बच्चों पर क्या असर पड़ता है? जब एक औरत असंतुष्ट रहती है? वहीं सलीम बने जावेद जाफरी की अपनी कहानी है, जो बताती है कि जादूगर बनने के लिए उन्होंने क्या-क्या बलिदान दिए। मैं इसमें जादूगर बनने का सपना पूरा करती हूं और उसके लिए मेरे किरदार शीरी को किस तरह की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, यही हमारी वेब सीरीज है।
ट्रोल्स के बारे में वे हंसते हुए कहती हैं, हम जो सामाज हैं, उसी का तो प्रतिबिंब है सोशल मीडिया। अब उन्हें पता है कि उनके पास एक पर्दा है उस पर्दे की आड़ में वे अपनी कुटिल सोच को सामने लाते हैं। तो हम किसी एक ट्रोलर्स या बंदे को ब्लेम नहीं कर सकते, हमारी सोसायटी की सोच ही ऐसी है। हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। एक जमाने में हमारे घरों में चुगलखोर आंटियां हुआ करती थीं। ये ट्रोलिंग करने वाले वही तो हैं चुगलीखोर। मेरे फैंस भी इस बात के बहुत मजे लेते हैं। मैंने ट्रोल्स करने वालों के नाम रख दिए हैं आंटी और चाची, तो जब वे ट्रोलिंग करते हैं, तो मैं पूछ बैठती हूं, अरे आंटी आप दोबारा आ गईं। एक जीजाजी (ट्रोल्स) हैं, जो हमेशा रूठे रहते हैं। मेरा मानना है कि जब आप इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते, तो फिर मजे ले लो।

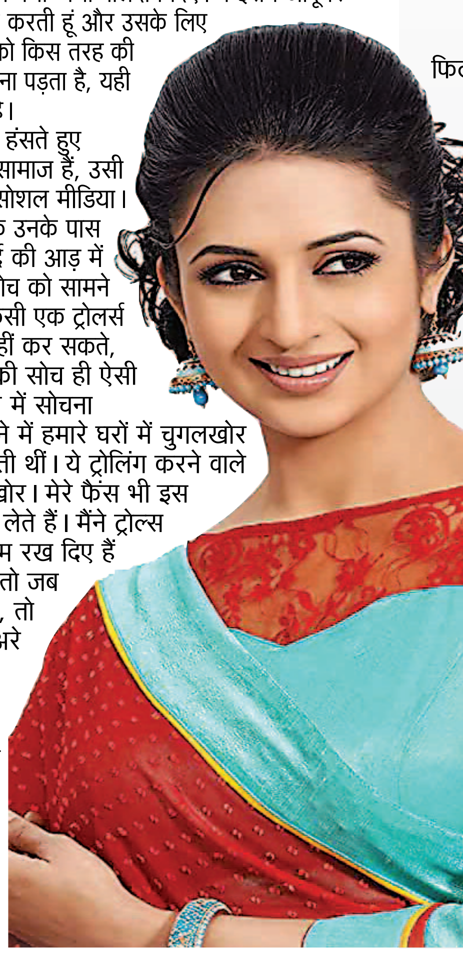

नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वालीं अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत महीनों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17वीं सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में रुचि थी। हालांकि, इसी विषय पर आधारित मराठी फिल्म पवनखिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनाएं बदल गईं। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट यकीनन उत्साह बढ़ाने वाला है।

अजय देवगन-ओम राउत के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम राउत दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। उन्होंने बाजी प्रभु की बायोपिक बनाने के विचार को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है, क्योंकि उस मोर्चे पर काफी शोध और योजना बनाई गई थी।

ऋतिक रोशन होंगे खलनायक!

विशेष रूप से, तान्हाजी में अजय देवगन ने तान्हाजी मालुसरे की भूमिका निभाई और अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। अगला भाग अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त मालूम होती है। अजय देवगन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे और वह इसमें खलनायक के रूप में ऋतिक रोशन को साइन करना चाहते हैं। अजय वर्सेज ऋतिक की खबर ने बढ़ाया बज जानकारी के अनुसार, अजय को लगता है कि ऋतिक के पास जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति और करिश्माई ताकत है। वह स्क्रीन पर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे। अगर यह सहयोग होता है, तो यह दो बॉलीवुड सुपरस्टारों का पहला ऑन-स्क्रीन मिलन होगा। सीक्वल में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की अपनी भूमिका को दोहरा सकते हैं।
हालांकि, देवगन या राउत ने अभी तक कलाकारों और कहानी के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। काम के मोर्चे पर पेशेवर मोर्चे पर, अजय देवगन को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया था। आने वाले दिनों में अभिनेता सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगे। इस बीच, ऋतिक रोशन वॉर 2 में कबीर के रूप में अपनी वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं, जहां वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। वॉर 2, वॉर (2019) की बड़ी सफलता के बाद उसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल है।

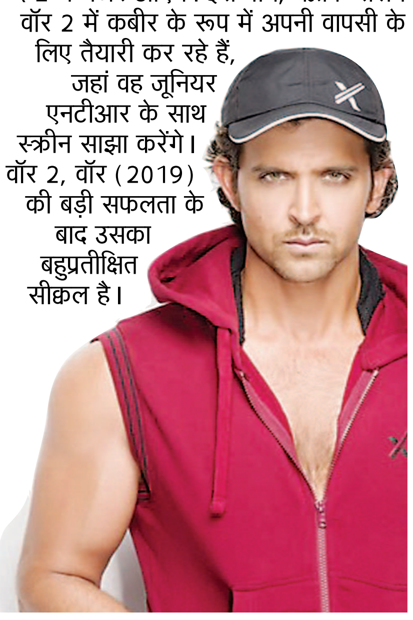

4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा वरुण की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर

वरुण धवन इन दिनों अपनी वेब सीरीज व सिटाडेल हनी बनी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हुए हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। इसी बीच ट्रेलर रिलीज की तारीख पर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म का ट्रेलर 4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च करने की खबरें हैं, जिसमें फिल्म की टीम भी शामिल होगी। एटली द्वारा निर्मित बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव सहित कई मजबूत कलाकार हैं। सिटाडेल: हनी बनी में वरुण के प्रदर्शन की प्रशंसा की गई और दर्शकों को उम्मीद है कि वह बेबी जॉन में एक और मजबूत एक्शन भूमिका देंगे। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है।

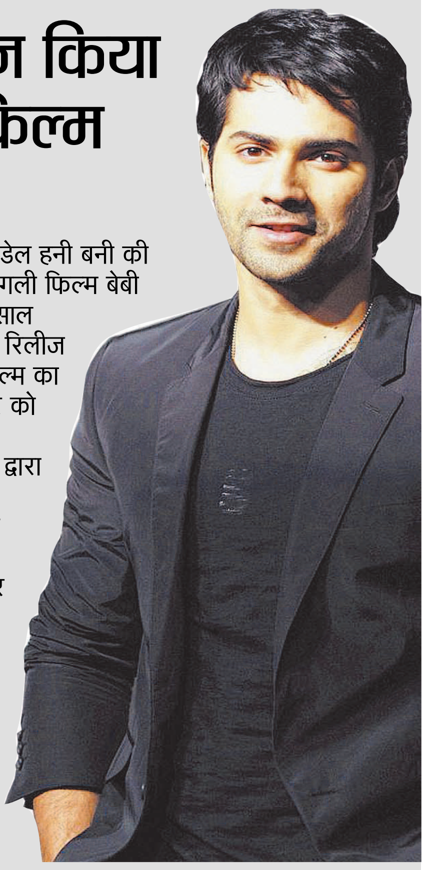

अल्लू अर्जुन ने रेवती की मौत पर दुख जताया और कहा- परिवार की हर संभव मदद करुंगा

-महिला के परिवार से मिलने और 25 लाख का मुआबजा देने की कही बात

मुंबई। हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई और एक बच्चा बेहोश हो गया। इस मामले में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा एजेंसी और थिएटर के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब मामले पर अल्लू अर्जुन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वीडियो शेयर कर जान गंवाने वाली महिला रेवती की मौत पर दुख जताया है। साथ ही अभिनेता ने इलाज का खर्च उठाने की भी जिम्मेदारी ली है। वीडियो में वह कह रहे हैं कि महिला के परिवार से मैं खुद जाकर मिलूंगा। अल्लू ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में महिला के परिवार वाले अकेले नहीं हैं। वह उनके साथ खड़े हैं। अल्लू अर्जुन ने कहा है कि उन लोगों के लिए उनसे जो कुछ भी हो पाएगा, वह करुंगा। अल्लू ने कहा कि वह मृत महिला के परिवार को 25 लाख का मुआवजा दूंगा। साथ ही इलाज और दवाइयों का सारा खर्च उठाएंगे। मृत महिला के पति मोगादमपल्ली भास्कर ने बातचीत में अल्लू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। भास्कर ने कहा कि अगर अल्लू और उनकी टीम बताकर थिएटर आते तब न तब उसकी पत्नी की मौत होती और ना ही बेटे की ऐसी हालत होती। भास्कर ने बताया कि बेटे की जिद के कारण वह फिल्म देखने गया था क्योंकि वह अल्लू अर्जुन का फैन है।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का हुआ ऐलान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने कश्मीर संभाग के शीतकालीन जोनों में क्रमश: 10 और 16 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव सुरेश कुमार गुप्ता के अनुसार आदेश में कहा गया है कि 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 10 दिसंबर से 28 फरवरी तक और 6वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक रहेंगी। गुप्ता ने आदेश दिया कि सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षण स्टाफ 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 फरवरी, 2025 से संबंधित मुख्यालयों पर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक छुट्टियों के दौरान छात्रों को ऑनलाइन मार्गदर्शन देते रहे।

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर गव.. उद्धव के करीबी की पोस्ट, एमवीए से बाहर हुई सपा

मुंबई । समाजवादी पार्टी (सपा) ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होने की घोषणा कर दी है। यह निर्णय शिवसेना (यूबीटी) के नेता और उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस का समर्थन कर पोस्ट के बाद आया है। दरअसल नार्वेकर ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का कथन भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने ऐसा किया। इस पोस्ट के साथ उद्धव और आदित्य ठाकरे की तस्वीरें भी थीं। इसके अलावा, शिवसेना (यूबीटी) ने एक समाचार पत्र में विज्ञापन दिया था, जिसमें बाबरी विध्वंस की तारीफ की गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने कड़ा विरोध जताकर कहा कि अगर एमवीए में ऐसी भाषा इस्तेमाल होती है, तब भाजपा और उनमें क्या फर्क है? हमें इसतरह के गठबंधन में क्यों रहना चाहिए? उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से चर्चा कर रहे हैं और एमवीए से अलग होने का फैसला पक्का है। वहीं एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, और एनसीपी का शरद पवार गुट शामिल है। सपा का यह कदम एमवीए के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, खासकर उस समय में जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही कई आंतरिक विवादों और भाजपा के दबदबे के कारण मुश्किल दौर से गुजर रही है।

पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट से बड़ी राहत... 28 माह बाद जेल से आएंगी बाहर

रांची । झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट ने बड़ी राहत देकर जमानत दे दी है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 11 मई 2022 को गिरफ्तारी के बाद से वे 28 माह से जेल में थीं। कोर्ट ने उन्हें दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही पूजा को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी आदेश दिया गया है। पूजा सिंघल का मामला- पूजा सिंघल झारखंड कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी हैं। वह झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) की चेयरमैन और उद्योग व खान सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग और मनरेगा घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते ईडी ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खूंटी में डीसी रहते हुए उन्होंने घोटाले में अपनी भूमिका निभाई।

क्या है मनरेगा घोटाला?

यह मामला झारखंड के खूंटी जिले में मनरेगा फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। 2009-2010 के दौरान, जब पूजा खूंटी में उपायुक्त थीं, घोटाले के आरोप लगे। ईडी ने मामले की जांच के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा किया। आरोप है कि पूजा और उनके करीबी सहयोगियों के द्वारा धन का दुरुपयोग किया गया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 73 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर शुक्रवार को सीमा शुल्क विभाग ने 73 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से दिल्ली आ रहा था। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक, आरोपी के सामान की जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुएं मिली, जिसमें पीली धातु के 13 टुकड़े थे।

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

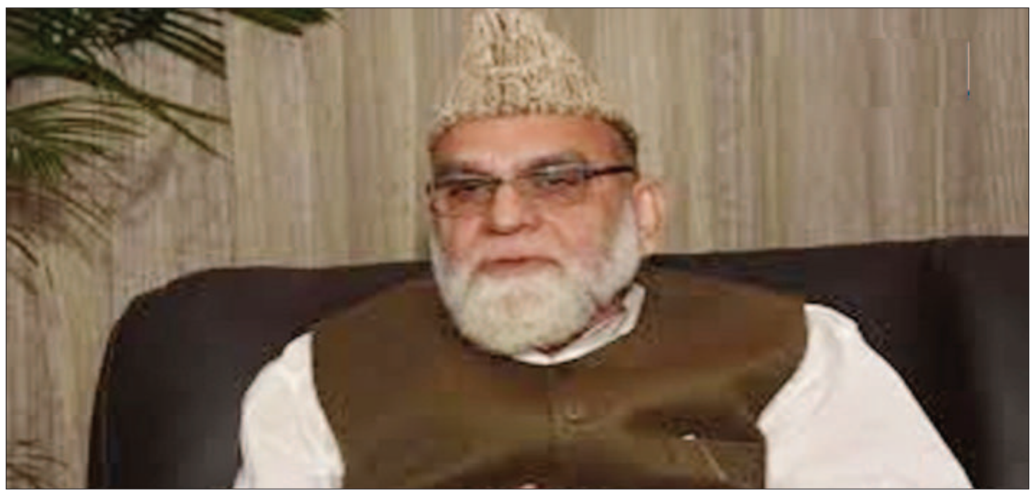

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा।

बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करे। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है।

बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए। ये चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। हाल ही में राजस्थान की अदालत में याचिका दायर की गई है जिसमें दावा किया गया है, कि अजमेर शरीफ दरगाह शिव मंदिर पर बनी है। इस याचिका को स्वीकार कर अजमेर की अदालत ने एएसआई, अजमेर दरगाह कमेटी और अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्रालय को नोटिस जारी किया है।

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदूओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने

कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

बारिश के आसार, दिल्ली समेत आस-पास क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों की पहली बारिश का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 8 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड में इजाफा होगा। बारिश के बाद न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है, जबकि न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा है। हवा में नमी का स्तर 32 से 90 प्रतिशत तक रहा। शनिवार को सुबह के समय स्मॉग छाने के साथ ही 8 दिसंबर को संभावित बारिश के बाद 9 दिसंबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने लगेगी। अनुमान है कि 9 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की उम्मीद है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम 23-24 डिग्री के बीच रह सकता है।

यहां बताते चलें कि इस सीजन में कोहरा छाना जल्दी शुरू हुआ है। नवंबर में 17 से 20 तारीख तक घना कोहरा देखा गया था, जबकि 8 से 11 दिसंबर तक मध्यम कोहरे की संभावना व्यक्त की गई है। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। दिसंबर और जनवरी में भी कोहरे के कई स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल बारिश होने पर दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में ठंड बढ़ने के आसार हैं।

महाराष्ट्र में नया गेम: अजित पवार ने दिखाया पावर गेम, शरद पवार को लग सकता है झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अब बीएमसी चुनाव को लेकर राजनैतिक दल कमर कसने लगे हैं। यहां अभी से अपने अपने दांव लगाने के लिए अपनी जमीन तैयार करने में लगे हैं। चर्चा शुरू हो गई है कि जलगांव के पूर्व संरक्षक मंत्री और शरद पवार के करीबी नेता गुलाबराव देवकर शरद पवार समूह छोड़ने की कगार पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गुलाबराव देवकर अजित पवार के गुट में जा रहे हैं। शरद पवार गुट के नेता पूर्व संरक्षक मंत्री गुलाबराव देवकर ने जानकारी दी है कि एनसीपी अजित पवार गुट जल्द ही एनसीपी अजित पवार गुट में शामिल होगा। गुलाबराव देवकर ने प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे से मुलाकात की। इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि इस मुलाकात के बाद

चर्चा है कि वह शरद पवार गुट छोड़ने वाले हैं।

इसलिए आगामी स्थानीय स्वशासन चुनाव से पहले इसे एनसीपी शरद पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं अगर ऐसा होता है तो उत्तर महाराष्ट्र में अजित पवार के गुट की ताकत बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव में जलगांव ग्रामीण सीट पर गुलाबराव पाटिल और गुलाबराव देवकर के बीच कड़ी टक्कर थी। गुलबाराव पाटिल ने जलगांव ग्रामीण सीट से लगातार दूसरी बार बड़े वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। 2019 के विधानसभा चुनाव में गुलाबराव रघुनाथ पाटिल ने भी जीत हासिल की। 2024 के चुनाव में दोनों गुलाबरावों के बीच कांटे की टक्कर थी। लेकिन गुलाबराव पाटिल लगातार दूसरी बार भारी मतों के अंतर से जीते।

जबकि बता दें कि यहां विधानसभा चुनाव हो भी गया और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री भी बन गए, लेकिन बीएमसी चुनाव अभी बाकी है और इसके लिए खेल भी शुरू हो गया है। महायुति को राज्य में खूब वोट मिले। 5 दिसंबर को महागठबंधन में देवेंद्र फड़णवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब राज्य में तीन दिवसीय सम्मेलन होगा। इस विधानसभा चुनाव के बाद निर्वाचित 288 उम्मीदवारों को प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलमकर शपथ दिलाएंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज, नीतिश सरकार की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने को प्रशासन की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई बताकर निंदा की है। उन्होंने कहा कि पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज हुआ है, जो भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)-नीतीश सरकार के अहंकार और तानाशाही का प्रतीक है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री 225 करोड़ की तथाकथित दिखावटी 'संवाद यात्रा पर निकलने से पहले यह जवाब दें कि क्या बिहार के वर्तमान व भविष्य, बिहार के छात्रों से संवाद स्थापित करना उनके एवं उनकी सरकार के लिए कठिन है? क्या आयोग द्वारा स्पष्टीकरण देना उनकी शान के खिलाफ है? क्या सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के मौका को पुन- उपलब्ध करवाना असंभव है? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि क्या पेपरलीक एवं कदाचार मुक्त परीक्षा की मांग करना अनुचित है? आयोग व बिहार की नीतिश सरकार के रुख को देख क्या अभ्यर्थी यह मान लें कि यह परीक्षा औपचारिकता मात्र रह गई है। बता दें कि बिहार लोक सेवा अयोग (बीपीएससी) की 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में बीपीएससी कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

दिल्ली के शीर्ष पद पर वैंकेसी नहीं, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश

`* ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता नकवी का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, सत्ता के शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं है, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। दरअसल ममता के विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने वाले बयान पर नकवी ने कहा, उन लोगों को अच्छी तरह पता है कि दिल्ली की सत्ता के शीर्ष के लिए कई दशकों तक कोई वैकेंसी नहीं

आने वाली है। लेकिन अगर विपक्षी महागठबंधन की बात की जाएं तब खानदान अनेक हैं, लेकिन उनकी ख्वाहिशें एक हैं। उन्हें सत्ता की शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं दिख रही है, इसलिए कोशिश में लगे हैं कि गठबंधन के शीर्ष पर ही पहुंच जाओ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने आरोप लगाया है कि उनके फोन और लैपटॉप को हैक करने की कोशिश हुई है। इस पर नकवी ने कहा, गुरु नंबरी तब चेला दस नंबरी। ये वे लोग हैं, जिन्हें सपनो में भी जासूसी नजर आती है। किसानों की मांगों को लेकर विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के सवाल पर नकवी ने कहा, पिटी हुई पटकथा पर परिवार का प्रायोजित पॉलिटिकल पाखंड समय-समय पर चलता रहता है। उनके इस पाखंड को जनता बार-बार परास्त करती है। वहीं, जहां तक किसानों की बात है कि पीएम मोदी की सरकार 2014 से आज तक मेरा गांव मेरा देश, मेरा खेत मेरा खलिहान, मेरी कृषि मेरा कृषक इन सभी को प्राथमिकता देकर काम कर रही है।

ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद को बताया गया कि मोदी सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लिखित उत्तर में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड ग्रामीण क्षेत्रों के अनौपचारिक श्रमिकों की संख्या 1 दिसबंर तक 27.22 करोड़ है। मंत्रालय ने आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को ई-श्रम पोर्टल लंच किया था। ई-श्रम पोर्टल का मकसद असंगठित श्रमिकों को उनकी खुद की घोषणा के आधार पर एक यूनिवर्सल खाता संख्या (यूएएन) प्रदान कर उन्हें रजिस्टर और सपोर्ट करना है। ई-श्रम पर रजिस्ट्रेशन के लिए श्रमिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल हो रहा है। मंत्रालय के अनुसार, असंगठित श्रमिकों को रजिस्ट्रेशन में मदद करने के लिए राज्य सेवा केंद्रों (एसएसके) और कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाओं को शामिल किया गया है।

श्रमिकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें रजिस्ट्रेशन/अपडेट की सुविधा उनके मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उमंग एप पर ई-श्रम पोर्टल को शामिल किया गया है। अब तक, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को पहले ही ई-श्रम पोर्टल के साथ इंटीग्रेट या मैप किया जा चुका है। केंद्रीय बजट 2024-25 के अनुसार, अन्य सरकारी वेबसाइटों के साथ ई-श्रम पोर्टल का इंटीग्रेशन 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' की सुविधा प्रदान करेगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित श्रमिकों को जल्द से जल्द ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय , स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय आदि जैसे अन्य मंत्रालयों से भी संपर्क किया है।

आशंका- भारतीय सीमाओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं पाकिस्तान और बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील देने का फैसला लिया है। इसके तहत अब पाकिस्तानियों को बांग्लादेश में यात्रा के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जो पहले आवश्यक थी। बांग्लादेश सरकार ने 2019 में सुरक्षा कारणों से एक आदेश जारी किया था, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों को बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए वीजा प्राप्त करने से पहले अनापत्ति मंजूरी प्राप्त करनी होती थी। लेकिन अब यूनुस सरकार ने इसे पलट दिया है। इस कदम के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में तेजी से नजदीकियां बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे लेकर भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर एक नई सुरक्षा चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों पर गहरी नजर रखनी चाहिए। बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी का भारत की सुरक्षा नीति पर प्रभाव पड़ सकता है, खासकर यदि इस पर आतंकवाद या कट्टरपंथी गतिविधियों का असर होता है। ऐसे में भारत को किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अपने सुरक्षा इंतजामों को और भी मजबूत करना होगा और बांग्लादेश की सीमाओं के पास निगरानी को बढ़ाना होगा। भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नए राजनीतिक बदलाव के मद्देनजर क्षेत्रीय सुरक्षा को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी बाहरी तत्व के लिए भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का रास्ता बंद किया जाए, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखी जा सके। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बढ़ते कूटनीतिक संबंध भारत के लिए एक नई चुनौती बन सकते हैं। हालाँकि, दोनों देशों के बीच सहयोग का कोई स्पष्ट और तत्काल सैन्य खतरा तो नहीं है, लेकिन यह स्थिति आतंकवाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के जरिए भारत के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। ऐसे में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर इस बदलाव पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक रिश्तों में हाल ही में आई बदलावों को लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। खासकर, बांग्लादेश में नए अंतरिम सरकार के गठन के बाद से दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए एक सुरक्षा खतरे के रूप में उभर सकती हैं। इस रिपोर्ट में चर्चा की गई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नए संबंधों के चलते भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा से संबंधित गंभीर चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान-बांग्लादेश के बढ़ते संबंधों से कट्टरपंथी और आतंकवादी तत्वों के लिए बांग्लादेश की यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। बांग्लादेश की भारत के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, और पाकिस्तान के कट्टरपंथी समूहों द्वारा इस सीमा का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) का भी पूर्व में बांग्लादेश में सक्रिय होने का इतिहास रहा है। 1971 के भारत-पाक युद्ध और उसके बाद बांग्लादेश में पाकिस्तान के अत्याचारों और शेख मुजीबुर रहमान की हत्या में आई.एस.आई. की भूमिका ने दोनों देशों के रिश्तों को हमेशा के लिए प्रभावित किया। इसके बावजूद, 2001 से 2006 तक बांग्लादेश में बी.एन.पी. (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) और जमात-ए-इस्लामी के शासन के दौरान, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. ने बांग्लादेश को आतंकवादी और विद्रोही समूहों के लिए एक आधार के रूप में इस्तेमाल किया।

भारत में 2001 और 2006 के बीच हुए कई बड़े आतंकवादी हमलों के पीछे बांग्लादेश का कनेक्शन सामने

आया था। 2004 में चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश के दौरान बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, बी.एन.पी. सरकार के कुछ मंत्रियों का नाम भी भारत में उग्रवाद को बढ़ावा देने में शामिल रहा था। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ती नजदीकी से भारत को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं।

हालांकि, 2019 से पहले शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के रिश्ते अत्यधिक तनावपूर्ण रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश में हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पाकिस्तान का दूतावास बांग्लादेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिशें कर रहा है। इस सिलसिले में, पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने हाल ही में बांग्लादेश के विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया से मुलाकात की। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी मालवाहक जहाज बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा है, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को फिर से सशक्त बनाने की कोशिश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दोबारा शादी कब कर सकता हूं ? शख्स ने गूगल पर किया सर्च, पत्नी की हत्या के आरोप में हुआ गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वर्जीनिया में नेपाली मूल के नरेश भट्ट पर अपनी पत्नी के लापता होने के चार महीने बाद उसकी हत्या का आरोप लगाया है. यह आरोप उस पर तब लगा, जब उसने कथित तौर पर गूगल पर सर्च किया कि अमेरिका में पत्नी की मौत के बाद शादी होने में कितना समय लगता है?. अदालत के दस्तावेजों के अनुसार 37 वर्षीय व्यक्ति पर प्रिंस विलियम काउंटी ग्रैंड जूरी ने हत्या और शव को अपवित्र करने के आरोप में चार्जेस लगाए थे. फिलहाल उसकी पत्नी ममता भट्ट का शव नहीं मिला है. हालांकि, जांचकर्ताओं ने उसके डीएनए को दंपति के मानसास स्थित घर में मिले खून से मिलाया है.पुलिस ने इसकी पुष्टि की है. अभियोजकों ने न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से बताया कि नरेश ने अपनी 28 वर्षीय पत्नी के गायब होने से तीन महीने पहले इस बारे में जानकारी जुटाई थी कि पति या पत्नी की मौत के बाद शादी करने में कितना समय लगता है? न्यूज एजेंसी ने इस संबंध में पुलिस प्रमुख मारियो लुगो के हवाले से बताया कि शुरू से ही उनका मानना था कि उनकी हत्या की गई है. लुगो ने कहा मीडिया से कहा, मुझे लगता है कि शव न मिलने के पीछे हमारे पास मजबूत मामला है. बाल चिकित्सा नर्स ममता भट्ट के लापता होने की जांच ने उत्तरी वर्जीनिया के छोटे से समुदाय की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि नेपाल में उनके परिवार और स्थानीय निवासियों ने जवाब खोजने के लिए एकजुट होकर सोशल मीडिया अभियान चलाया है. इसके अलावा परिवार के लोगों ने सामुदायिक कार्यक्रम और रैलियां भी आयोजित की हैं. बता दें कि जुलाई के अंत में ममता के लापता होने के तीन सप्ताह बाद, नरेश पर एक शव को छिपाने का आरोप लगाया गया था. फिलहाल वह जेल में है।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे 700 कैदी अब भी फरार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे कैदियों में से कम से कम 700 कैदी अब भी फरार हैं, जिनमें दोषी आतंकवादी और मौत की सजा पाए कैदी शामिल हैं। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोहम्मद मोताहिर हुसैन ने कहा कि देश भर में लगभग 2,200 कैदी विभिन्न जेलों से भाग गए थे, जिनमें से 700 अब भी फरार हैं जबकि बाकी कैदी सजा काटने के लिए जेलों में वापस लौट गए हैं या उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। हुसैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लगभग 700 (फरार कैदियों) में से 70 चरमपंथी और मौत की सजा पाए अपराधी हैं।

सीरिया : विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने सैन्य कर्मियों का वेतन 50 फीसदी बढ़ाया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने सैन्य कर्मियों के वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि का आदेश जारी किया।

ये ऐलान ऐसे समय में किया गया जब सरकारी बल, उत्तरी और मध्य सीरिया में कई मोर्चों पर विद्रोही गुटों के साथ भीषण लड़ाई में लगे हुए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, सैलरी हाइक सभी सैन्य कर्मियों पर लागू होगी। वेतन वृद्धि आदेश जारी होने की तारीख से उनके मूल वेतन में जोड़ दी जाएगी। सैलरी हाइक ऐसे समय में की गई जब सीरियाई सरकारी सेना हामा, अलेप्पो और इदलिब प्रांतों सहित प्रमुख क्षेत्रों में विद्रोही गुटों के खिलाफ अभियान तेज कर रही है। विद्रोही गुटों ने पिछले सप्ताह से उत्तरी सीरिया पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

ट्रंप सरकार में एक और अहम नियुक्ति, अरबपति डेविड सैक्स होंगे व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो जार

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में एक और अहम नियुक्ति की है। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे। डेविड सैक्स फिनटेक कंपनी पेपैल के पूर्व सीओओ (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं। सैक्स की संपत्ति अरबों डॉलर है और वे कथित पेपैल माफिया कहे जाने वाले समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में अन्य प्रभावशाली उद्योगपति एलन मस्क और पीटर थिएल भी शामिल हैं।

सीरिया : एक और अहम शहर पर विद्रोहियों का कब्जा; राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी; अब बढ़ रहे होम्स की तरफ

बेरूत, एजेंसी। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास के हमले के बाद इस्राइल ने जो जंग शुरू की थी, वो अभी खत्म भी नहीं हुई है। सीरिया में एक और युद्ध शुरू हो गया है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से सीरिया में जो कुछ भी हो रहा है, वो इस बात के सबूत हैं कि मध्य-पूर्व में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीरिया में बीते 27 नवंबर से सेना और विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष में सेना को एक और झटका लगा है। विद्रोहियों ने एक और शहर हमा पर भी कब्जा कर लिया है। सेना ने एलान करते हुए बताया कि विद्रोहियों ने शहर में डिफेंस लाइन को तोड़ दिया था, जिसके बाद उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया है। हमा शहर, अलेप्पो के बाद सीरिया का सबसे अहम शहर है। सीरियाई सेना ने शहर को खाली करने का एलान कर दिया है।

सीरियाई राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी : सीरिया के हमा शहर पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। इस दौरान विद्रोहियों ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के पिता की मूर्ति भी तोड़ डाली। हमा से पहले सीरिया विद्रोहियों ने तीन बड़े शहरों पर कब्जा किया था। विद्रोही गुटों ने पिछले सप्ताह, उत्तरी सीरिया पर अपने हमले तेज करते हुए सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया था। अलेप्पो के बाद हमा सीरिया का अहम शहर था।

करीब एक सप्ताह से चल रहा विद्रोह : इस्लामी चरमपंथी विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोहियों ने एक सप्ताह से भी कम समय पहले अपना आक्रमण शुरू किया था, ठीक उसी समय जब पड़ोसी लेबनान में इस्राइल और असद के सहयोगी हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम समझौता हुआ था।

हयात तहरीर अल-शाम ने जीत का किया एलान : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल-जवलानी ने हमा में जीत की घोषणा की है। हालांकि, इससे पहले विद्रोहियों और उनके सहयोगियों ने हमा की सेंट्रल जेल पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद उन्होंने भीषण लड़ाई के बीच कैदियों को रिहा कर दिया था। बता दें कि, अलेप्पो से 110 किलोमीटर दक्षिण में स्थित हमा में दस लाख लोग रहते हैं।

विद्रोही लड़ाकों ने जमीन को चूमा और जश्न के दौरान गोलियां चलाईं : ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि रातभर हुई झड़पों के बाद विद्रोहियों ने हमा पर कई तरफ से हमला किया और राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के साथ सड़कों पर लड़ाई शुरू कर दी। इस बीच, विद्रोहियों ने बाद में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश में हमा शहर पूरी तरह से मुक्त की घोषणा की। विद्रोही लड़ाकों ने सीरिया के चौथे सबसे बड़े शहर में प्रवेश करते ही जमीन को चूमा और जश्न के दौरान गोलियां चलाईं। कई निवासी विद्रोही लड़ाकों का स्वागत करने के लिए आए। एक मीडिया चैनल के फोटोग्राफर ने देखा कि कुछ निवासियों ने सिटी हॉल के पास लगे असद के एक विशाल पोस्टर में आग लगा दी। सेना ने अलेप्पो और दमिश्क में असद की सत्ता की सीट के बीच रणनीतिक रूप से स्थित शहर पर नियंत्रण खोने की बात स्वीकार की है। रक्षा मंत्री अली अब्बास ने जोर देकर कहा कि सेना की वापसी एक अस्थायी रणनीतिक उपाय था। हमारे बल अब भी आसपास के क्षेत्र में हैं।

सीरियाई सरकार के लिए बड़ा झटका : सेंचुरी इंटरनेशनल थिंक टैंक के फेलो एरन लुंड ने हमा को कब्जाए जाने को सीरियाई सरकार के लिए बहुत बड़ा झटका बताया है।उन्होंने कहा कि एचटीएस अब सीरिया के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स की ओर बढ़ने की कोशिश करेगी, जो दक्षिण में लगभग 40 किलोमीटर (25 मील) दूर है। यहां से निवासी पहले ही अपने घरों को छोड़कर जाने लगे हैं।

सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध : 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

कैलिफोर्निया में महसूस किए गए भूकंप के झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। गुरुवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के फर्नडेल शहर में जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र समुद्र तल से 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था। इस भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और प्रभावित क्षेत्र : यह भूकंप सुबह 10 : 44 बजे आया और इसका केंद्र तटीय हम्बोल्ट काउंटी के फर्नडेल शहर से पश्चिम में था जो ओरेगॉन सीमा से लगभग 130 मील (209 किमी) दूर स्थित है। इस भूकंप ने उत्तरी कैलिफोर्निया के एक बड़े क्षेत्र को हिलाकर रख दिया।

सुनामी की चेतावनी : यूएस नेशनल सुनामी सेंटर ने फर्नडेल के आसपास के क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। चेतावनी लगभग एक घंटे तक प्रभावी रही और कैलिफोर्निया के मोंटेरी खाड़ी के उत्तर से लेकर ओरेगॉन तक लगभग 500 मील (805 किमी) के समुद्र तट को कवर किया। इस चेतावनी के तहत तटीय इलाकों के निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई।

भूकंप के प्रभाव : भूकंप के झटके इतनी तीव्र थे कि कई इमारतें हिल गईं। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान या चोट की कोई जानकारी नहीं मिली है। भूकंप के बाद कुछ छोटे झटके भी महसूस हुए। यह भूकंप सैन फ्रांसिस्को तक महसूस किया गया जो लगभग 270 मील (435 किमी) दूर है। यहां के निवासियों ने कुछ सेकंड तक एक रोलिंग गति महसूस की।

तट से दूर रहने की चेतावनी : भूकंप के तुरंत बाद राष्ट्रीय मौसम सेवा ने लोगों से तटों से दूर रहने की अपील की। चेतावनी दी गई कि शक्तिशाली लहरें और तेज धाराएं तटों को प्रभावित कर सकती हैं जिससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है। वहीं यूरेका और आसपास के कई शहरों में एहतियात के तौर पर लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा गया है। भूकंपविज्ञानी लुसी जोन्स ने बताया कि कैलिफ़ोर्निया का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र भूकंप के लिहाज से राज्य का सबसे सक्रिय हिस्सा है क्योंकि यहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। यह क्षेत्र भूकंप के लिए जाना जाता है। 2022 में भी यहां 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था जिससे हजारों लोग बिजली और पानी से वंचित हो गए थे। कैलिफोर्निया का उत्तरी क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

गाजा में इजरायली बंधक का शव बरामद, 7 अक्टूबर हमले में हमास ने किया था अपहरण

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सुरक्षा बलों ने घोषणा की है कि उन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान किडनैप किए गए एक इजरायली बंधक का शव बरामद किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एक संयुक्त बयान में, शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी और इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक सैन्य अभियान में इटाई स्विर्स्की का शव बरामद करने की पुष्टि की। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, स्विर्स्की को ज़िंदा अगवा किया गया था और बाद में अपहरण करने वालों ने उसे मार डाला। तेल अवीव के निवासी 38 वर्षीय स्विर्स्की को किबुत्ज बेरी से उस समय अगवा किया गया था, जब वह अपने माता-पिता से मिलने गया था। उसके माता-पिता हमास के हमले के दौरान मारे गए। किबुत्ज बेरी के एक बयान में स्विर्स्की की मौत हो जनवरी 2024 तक जाने की आशंका जाहिर की गई थी हगारी ने छह इजरायल बंधकों की मौत की सैन्य जांच के निष्कर्ष भी प्रस्तुत किए, जिनके शव अगस्त में दक्षिणी गाजा के खान यूनिस से बरामद किए गए थे। जांच से पता चला कि उनकी मौत संभावित रूप से उनके बंधक स्थान से 150-200 मीटर की दूरी पर हमास को निशाना बनाकर किए गए।

कनाडा ने हथियारों के 324 मॉडलों पर लगाया प्रतिबंध; इसे लोगों से इकट्ठा कर यूक्रेन भेजने की तैयारी

ओटेवा, एजेंसी। कनाडा ने एक बड़ा कदम उठाया है। इससे जहां रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन की मदद होगी। वहीं, अपने देश की जनता को भी सुरक्षित कर लेंगे। दरअसल, उसने गुरुवार को हमला करने वाले हथियारों के 324 मॉडलों पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया। इन हथियारों को दुकानों से इकट्ठा करके यूक्रेन भेज दिया जाएगा।

35 साल पहले हुए नरसंहार की वर्षगांठ पर लिया फैसला : यह फैसला मॉन्ट्रियल में इकोले पॉलिटेक्निक में एक नारी-विरोधी हमले की 35वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर लिया गया। इस हमले में 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। इस पूरी घटना ने लोगों पर गहरे निशान छोड़ दिए।

कोई परिवार फिर तबाह न हो : जन सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि सामूहिक गोलीबारी में मारे गए लोगों की यादों का सम्मान करने के लिए बंदूक नियंत्रण पर कार्रवाई करना और इन भयानक अपराधों को करने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियारों तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कनाडा में फिर से सामूहिक गोलीबारी से कोई समुदाय, कोई परिवार तबाह न हो।

ये फैसला हथियार रखने वालों के लिए चेतावनी : छह दिसंबर 1989 में इकोले पॉलीटेक्निक हमले में जिंदा बचीं नथाली प्रोवोस्ट लंबे समय से बंदूक नियंत्रण के लिए पैरवी कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं रो रही हूं, लेकिन मैं

मुस्कुरा भी रही हूं क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह के खतरनाक हथियार रखने वालों को एक मजबूत संकेत है कि सरकार कार्रवाई कर रही है।

अमेरिका की तुलना में कम गोलीबारी की घटनाएं : कनाडा में गोलीबारी की घटनाएं संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में कम होती हैं। मगर, अपराध के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले एक दशक में देश में बंदूक अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। सबसे हालिया आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 1,400 गोलीबारी की घटनाएं हुई, या प्रति 100,000 लोगों पर 36.7 घटनाएं हुईं। कनाडा ने 2020 में देश की अब तक की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी के जवाब में हमला करने वाले हथियारों के 1,500 मॉडलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह एक ऐसी घटना है, जिसमें नोवा स्कोटिया प्रांत में 22 लोग मारे गए थे।

14500 बंदूकों को करना है जमा : गुरुवार की घोषणा के बाद कनाडा के लोग 1,800 से अधिक प्रकार के आग्नेयास्त्रों को खरीद, बेच या आयात नहीं कर सकेंगे। हालांकि, कहा जा रहा है कि बैन लगाए जाने वाले मॉडलों की करीब 14500 बंदूकें अभी लोगों के पास हैं। उन्हें अगली साल की अक्तूबर तक का समय दिया जाएगा। इसके तहत यह लोग बंदूकें वापस कर सकते हैं और उन्हें उसके बदले मुआवजा दिया जाएगा।

यूक्रेन की सहायता के लिए अहम कदम : रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने कहा कि ओटावा बांटने वालों और बंदूक की दुकानों के साथ काम करेगा, जिनके पास ये हथियार स्टॉक में हो सकते हैं। इससे इन हथियारों को इकट्ठा करके कनाडा से बाहर निकालकर यूक्रेन पहुंचाया जाएगा। ताकि रूस के खिलाफ लड़ाई में इन हथियारों का इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन को जो भी सहायता दे सकते हैं।

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठी आवाज, डिकल प्रशिक्षण पर पाबंदी को वापस लेने की मांग

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अफगानिस्तान के निजी चिकित्सा संस्थानों में महिलाओं द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने पर थोपी गई पाबंदी पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है। यूएन उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने इस प्रतिबंध को सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन द्वारा अफगान महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध एक और सीधा प्रहार करार देते हुए इसे वापिस लेने की मांग की है। यूएन कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने गुरुवार को उच्चायुक्त टर्क की ओर से जारी एक वक्तव्य में तालेबान प्रशासन के इस कदम को बेहद भेदभावपूर्ण बताया और सचेत किया कि इससे महिलाओं व लड़कियों के जीवन के लिए कई प्रकार के जोखिम उत्पन्न होंगे। यूएन मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, राजसत्ता द्वारा प्रायोजित भेदभावपूर्ण निर्णयों की एक लंबी फेहरिस्त में यह नई कड़ी है, जिनके जरिए अब तक शिक्षा, कामकाज समेत अन्य क्षेत्रों में महिलाओं व लड़कियों को निशाना बनाया गया है। मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा है कि ऐसे कदमों को उठा करके,

अफगानिस्तान के भविष्य को पूरी तरह से अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता हथिया ली थी, जिसके बाद से महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता को नकारा जा रहा है, जिनमें शिक्षा, कार्य, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, आवाजाही, भय से आजादी और भेदभाव से मुक्ति के अधिकार हैं। लड़कियों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा से दूर कर दिया गया है और महिलाओं के युनिवर्सिटी में पढ़ाई-लिखाई पर पहले ही पाबंदी लगा दी गई थी। महिलाओं व लड़कियों के मनोरंजन पार्क, सार्वजनिक स्नानघर, जिम, स्पोर्ट्स क्लब में जाने पर पाबन्दी है और देश में महिलाओं व लड़कियों के लिए पोशाक संहिता सख्ती से लागू की गई है। उन्हें बिना किसी पुरुष संगी के लम्बी यात्रा करने की अनुमति नहीं है। मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि इस तालेबानी फैसले से महिलाओं व लड़कियों के लिए, उच्चतर शिक्षा की ओर जाने वाला एकमात्र रास्ता भी बंद हो जाएगा। इससे देश में महिला दाइयों, नर्स व चिकित्सकों की उपलब्धता पर असर होगा, जोकि पहले से ही कम है। इस निर्णय से महिलाओं व लड़कियों के लिए पहले से ही जोखिम से जूझ रहे स्वास्थ्य देखभाल सुलभता के अवसर सीमित होंगे. चूँकि पुरुष मेडिकल कर्मचारियों को पुरुष संगी की उपस्थिति के बिना, महिलाओं का उपचार करने पर मनाही है। मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, अफगानिस्तान में पहले से ही मातृत्व मृत्यु की ऊंची दर है और इसलिए यह जरूरी है कि स्वास्थ्य सैक्टर में उनकी उपस्थिति को बरक़रार रखा जाए।

विद्रोही बलों से गंवाए क्षेत्र वापिस लेने को सेना रहे तैयार : सीरियाई रक्षा मंत्री

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के रक्षा मंत्री ने विद्रोही बलों से खोए हुए क्षेत्रों को वापस लेने के लिए सेना को तैयार रहने को कहा है।उन्होंने केंद्रीय शहर हामा से सेना की वापसी को एक रणनीति बताया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अली महमूद अब्बास ने गुरुवार रात को विद्रोही समूहों के खिलाफ चल रही लड़ाई पर एक बयान दिया। अब्बास ने कहा, हमने सबसे चरमपंथी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ भयंकर और निरंतर लड़ाई लड़ी है, जो गुरिल्ला रणनीति अपनाते हैं। इसके लिए हमारे सशस्त्र बलों को उचित रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें आगे बढ़ना, पीछे हटना और फिर से तैनात होना शामिल है। मंत्री ने वर्तमान स्थिति को अच्छा बताया। इसमें कहा गया कि हामा के बाहर हाल ही में बलों की फिर से तैनाती नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक उपाय था। उन्होंने आश्वासन दिया, यह एक अस्थायी उपाय है। हमारे बल हामा के बाहरी इलाकों में बने हुए हैं, अपने राष्ट्रीय और संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दोहराया कि सेना की कार्रवाई लंबे समय तक स्थिरता सुनिश्चित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा थी। अब्बास ने विद्रोही समूहों पर सेना की वापसी के दौरान अराजकता पैदा

करने के उद्देश्य से गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने निवासियों से आधिकारिक चैनलों के माध्यम से प्रसारित जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की। मंत्री ने मौजूदा चुनौतियों से पार पाने की सीरिया की क्षमता पर भी भरोसा जताया।उन्होंने कहा, हमारी सेना, नागरिकों, नेतृत्व समेत हमारे सहयोगियों और मित्रों के समर्थन से, सीरिया किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम है, चाहे वह कितनी भी गंभीर क्यों न हो। मंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सीरियाई सरकारी बलों को उत्तरी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में कई मोर्चों पर हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूहों द्वारा हमलों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार तक, जब सेना ने हमा से वापसी की घोषणा की और शहर के बाहर अपने बलों को फिर से तैनात किया था, तब तक विद्रोही बलों ने अलेप्पो और हमा जैसे प्रमुख शहरों पर कब्जा कर लिया था।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति का हटना लगभग तय : महाभियोग चलाने में साथ दे सकती है सत्ताधारी पार्टी

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया की सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति यून सुक-योल पर महाभियोग चलाने के संकेत दिए हैं। न्यूज एजेंसी क्क के मुताबिक पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने कहा कि वे राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्ति को कम किया जाना जरूरी है। सत्ताधारी पार्टी पीपुल्स पावर पार्टी के नेता डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा- मुझे जानकारी मिली है कि राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने के दौरान कई नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए सेना का इस्तेमाल करने की कोशिश की थी।

डोंग-हुन ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि राष्ट्रपति की ताकत को कम किया जाए नहीं तो वह फिर से मार्शल लॉ लागू करने जैसा खतरनाक कदम उठा सकते हैं। इससे देश और नागरिकों को खतरा हो सकता है। इससे पहले सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने से इनकार कर दिया था। डांग-हुन ने गुरुवार को कहा था कि वे महाभियोग के प्रस्ताव को खारिज करने की कोशिश करेंगे। हालांकि तब भी उन्होंने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ को लागू करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया था। लेकिन अब उनके बयान को राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रपति ने लागू किया मार्शल लॉ, 6 घंटे में हटा : साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू कर दिया था। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर उत्तर कोरिया के साथ सांठगांठ रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों

में शामिल होने का आरोप लगाया। हालांकि यह सिर्फ 6 घंटे ही रह पाया क्योंकि विपक्षी पार्टियों ने संसद में वोटिंग कराकर इसे पलट दिया। इसके बाद से विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति यून से इस्तीफा मांग रही हैं। 6 पार्टियों ने मिलकर राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शनिवार को इस पर वोटिंग हो सकती है।

राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग सफल होगा : साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लागू होने के अगले ही दिन विपक्षी दलों ने मिलकर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। विपक्षी दलों के पास कुल 192 सांसद हैं। 300 सीटों वाले कोरियाई संसद में महाभियोग चलाने के लिए दो-तिहाई यानी कि 200 सांसदों की जरूरत होती है। पीपुल्स पार्टी के पास 108 सीटें हैं। विपक्षी पार्टियों को महाभियोग चलाने के लिए सिर्फ 8 वोटों की जरूरत है। सत्ताधारी पीपुल्स पार्टी के महासचिव डांग-हुन के बयान के बाद माना जा रहा है कि पार्टी के कुछ विरोधी नेता राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग का समर्थन कर सकते हैं।

राष्ट्रपति यून के करीबी थे डांग-हुन, पत्नी की वजह से रिश्ते में खटास आया : डांग-हुन को पहले राष्ट्रपति यून का करीबी माना जाता था, क्योंकि दोनों ने वकालत करते हुए कई साल साथ काम किया था। डांग-हुन पहले राष्ट्रपति यून की सरकार में कानून मंत्री के पद पर थे, लेकिन पीपुल्स पार्टी का महासचिव बनने के बाद दोनों के संबंध काफी खराब हो गए हैं। डांग-हुन, राष्ट्रपति की पत्नी से जुड़े घोटालों को लेकर काफी नाराज माने जाते हैं। उनका मानना है कि इससे पार्टी की छवि पर बुरा असर पड़ा है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, फंदे पर झूलता मिला शव, हत्या का आरोप

फरीदाबाद। फरीदाबाद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त महिला घर में अकेली थी। घर से सभी लोग रिश्तेदारी में गए हुए थे। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने ससुरालियों पर दहेज को लेकर हत्या करने के आरोप लगाए है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल में भेज दिया है। परिजनों की शिकायत पर सेक्टर 58 थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

● भाई ने लगाए हत्या करने के आरोप

मृतक के भाई गगन रक्षवाल ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन की शादी 8 मार्च 2024 को फरीदाबाद के सेक्टर 56-ए के रहने वाले सूरज से की थी। लेकिन तभी से उनकी बहन की दहेज कम लाने को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल वाले उससे 51 लाख रुपए एक फॉर्च्यूनर कार की दहेज में मांग कर रहे थे। जबकि उन्होंने अपनी हैसियत के हिसाब से बहन की शादी में सब कुछ दिया था। लेकिन आरोपियों की भूख शांत नहीं हुई और वह दहेज की खातिर उनकी बहन को बार-बार प्रताड़ित करते रहे।

● पर मिले चोट के निशान

बीते कल शाम को उनकी बहन भारती के जेठ जितेंद्र का फोन आया। जिसने बताया कि आपकी बहन ने फांसी लगा ली है। जब वह मौके पर पहुंचे तो शव को सिविल अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया हुआ था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे, और बाल बिखरे हुए थे। उन्हें शक है कि कहीं ना कहीं उनकी बहन की हत्या की गई है। वह चाहते हैं कि उनकी बहन की हत्यारों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं इस मामले में मृतका के जेठ जितेंद्र ने बताया कि उनका भाई सूरज उनकी पत्नी, उनकी माता सहित सभी घर से बाहर गए थे। उनके रिश्तेदारी में किसी की मौत हुई थी। सभी वहां पर गए हुए थे।

दूसरे चरण की अंतर-स्कूल सड़क सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

▶▶ 705 स्कूलों के करीब 6000 बच्चों ने लिया हिस्सा

फरीदाबाद की आवाज

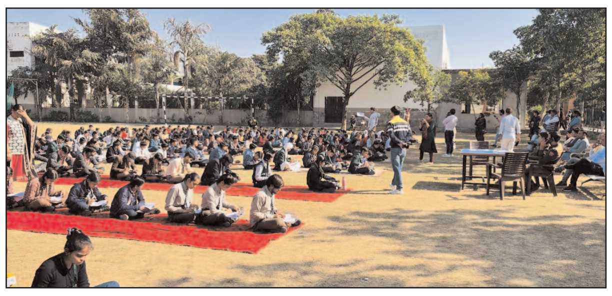

फरीदाबाद। विद्यार्थियों में यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से आज जिला फरीदाबाद के 705 स्कूलों में दूसरे राउंड के लिए अंतर-स्कूल सड़क सुरक्षा क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, प्रतियोगिता में करीब 6000 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के लिए एसीपी ट्रैफिक शैलेन्द्र को नोडल अधिकारी बनाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र- छात्राओं में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक करने के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सड़क सुरक्षा क्विज़ प्रतियोगिता कराया जा रहा है, 5 दिसंबर को फरीदाबाद के 705 स्कूलों में दूसरे राउंड के लिए अंतर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें करीब 6000 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए कक्षाओं के 4 ग्रुप बनाए गए, जिसके लिए कक्षा तीसरी से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज के ग्रुप बनाए गए। प्रतियोगिता को संबंधित थाना की टीम द्वारा आयोजित कराया गया। मूल्यांकन उपरांत विद्यार्थियों का तृतीय चरण के लिए चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के चार चरण है प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को यातायात नियमों और रोड सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक करना है, ताकि युवा पीढ़ी यातायात नियमों के प्रति जागरूक होकर यातायात नियमों की पालना करे। इस प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 2013-14 से किया जा रहा है, 12 नवम्बर को आयोजित प्रतियोगिता में जिला फरीदाबाद के करीब 264798 छात्रों ने भाग लिया था।

आठवें पे कमीशन गठन न करने के फैसला का डटकर होगा विरोध: सुभाष लांबा

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। केन्द्र सरकार द्वारा आठवें पे कमीशन के गठन से इंकार करने से करोड़ों केंद्र एवं राज्य कर्मचारियों में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने केंद्र सरकार के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। जिसके लिए महा संघ ने 28-29 दिसंबर को कानपुर में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने का फैसला किया है। श्री लांबा ने बताया कि 3 दिसंबर को राज्यसभा सांसद जावेद अली खान व रामजी लाल सुमन सवाल पूछा था कि क्या केंद्र सरकार कर्मचारियों के लिए आठवें पे कमीशन का गठन करने जा रही है ? यदि हां तो उसकी डिटेल क्या है ? इसके जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब दिया कि केंद्र सरकार के पास आठवें पे कमीशन के गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के इस जवाब से केन्द्र एवं राज्य कर्मचारियों तथा पीएसयू के कर्मचारियों में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। क्योंकि आठवें पे कमीशन की सिफारिशों को जनवरी 2026 से लागू किया जाना है। जिसका अभी तक गठन नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि दस साल अंतराल के बाद वेतनमानों में संशोधन करने के लिए सेंट्रल पे कमीशन का गठन किया जाता और उसकी सिफारिशों को लागू किया जाता है। अधिकतर राज्य सरकारें भी उसी के अनुसार राज्य कर्मचारियों के वेतनमान में संशोधन किया जाता है। श्री लांबा ने कहा कि केंद्र सरकार इससे पहले पुरानी पेंशन बहाली और कोविड 19 में कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को फ्रीज किए 18 महीने की डीए डीआर को बहाल करने तथा ठेका संविदा कर्मियों को नियमित करने से स्पष्ट मना कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों को निजी हाथों में सौंपने को सरकारी विभागों को सिकोड़ने का काम कर रही। खाली पड़े एक करोड़ से ज्यादा रिक्त पदों को स्थाई भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार देने की बजाय संविदा आधार पर मामूली भर्ती की जा रही है। ट्रेड यूनियन एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। जिसको लेकर केंद्र एवं राज्य कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

31 दिसंबर तक राशन डिपुओं में मिलेगा नवंबर महीने का बकाया तेल: राजेश नागर

▶▶ मंत्री के निर्देश पर खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने जारी किया नोटिफिकेशन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निर्देश पर किन्हीं कारणों से नवंबर में वंचित रह गए लोगों को 31 दिसंबर तक राशन डिपुओं में खाने का तेल मिलेगा। इस बारे में खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है वहीं राशन डिपुओं के संचालकों को भी इस बारे में व्यवस्था बनाने के आदेश जारी हुए हैं। इस बारे में मंत्री राजेश नागर ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नायब सैनी सरकार द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को राशन डिपुओं के मार्फत राशन दिया जा रहा है। हमें शिकायत मिल रही थी कि प्रदेश के कुछ जिलों में नवंबर महीने का राशन तेल नहीं मिला है जबकि अब दिसंबर महीना भी शुरू हो गया है। नागर ने बताया कि इस बारे में हैफेड और कनफेड को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह भरपूर मात्रा में राशन डिपुओं में तेल भिजवाए, वहीं जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रकों को भी इस व्यवस्था को बनवाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि राशन डिपो संचालक दोनों महीनों की बायोमेट्रिक लोगों को करवाने में कोई दिक्कत नहीं हो इसके लिए एनआईसी को व्यवस्था बनाने के लिए कहा गया है। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि पूरे प्रदेश में राशन व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। कहीं से भी किसी भी प्रकार की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि किन्हीं कारणों से नवंबर महीने में कुछ जिलों के राशन डिपुओं पर फोर्टिफाइड सरसों, सूरजमुखी का तेल लाभान्वितों को नहीं पहुंच पाया था। जिसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने विभाग के आला अधिकारियों को इस बारे में लाभान्वितों के लिए व्यवस्था बनाने के लिए कहा था। जिसके बाद अब विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही डिपो होल्डरों को भी निर्देश जारी किए हैं कि वह जहां भी नवंबर महीने का तेल नहीं मिला है, वहां नवंबर और दिसंबर दोनों महीनों का तेल वितरित करें। इससे लाखों की संख्या में उन लोगों को लाभ मिलेगा जिन्हें राशन डिपुओं से राशन मिलता है।

जे.सी.बोस विश्वविद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा स्थानीय सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद के सहयोग से आज निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर सर्वोदय अस्पताल के चिकित्सकों की एक टीम जिसमें डॉ अंकित, हृदय रोग विशेषज्ञ तथा डॉ. स्वर्णिमा, जनरल फिजिशियन द्वारा कुशल पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से शिविर का संचालन किया। कार्यक्रम को चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर शर्मा के देखरेख में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए ब्लड प्रेशर चेक-अप, ब्लड शुगर चेक-अप और ईसीजी की जांच निःशुल्क की गई। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया तथा लाभ उठाया।

हरियाणा में पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को निशुल्क मिलेंगी पुस्तकें

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। हरियाणा में कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को स्कूल में निशुल्क किताबें वितरित की जाएंगी। जिसके लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के सभी स्कूल के बच्चों को फ्री में किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। हर वर्ष सरकार सभी सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए फ्री में पाठ्य पुस्तकें वितरित करती है।

● शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों से मांगी डिमांड

हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यार्थियों के लिए निशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाती हैं। हर वर्ष का तरह ही इस बार भी 8वीं तक के बच्चों के लिए पुस्तकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। जिसके लिए प्रदेश के सभी स्कूलों से बच्चों की संख्या के अनुसार उनकी डिमांड मांगी गई है। लेकिन यह डिमांड इस बार ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी जिससे पुस्तकें सीधे विभाग तक पहुंचे और फिर समय रहते छात्रों तक पहुंच सके।

● 7 दिसंबर तक स्कूलों को भेजनी होगी मांग

सभी स्कूलों को छात्रों के लिए पाठ्य पुस्तकों की मांग को 7 दिसंबर तक एमआईएस के पोर्टल पर भरना होगा। इसकी जिम्मेदारी स्कूल के प्रधानाचार्य की होगी। आपको बता दें कि विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निर्देश देते हुए बताया है कि सभी स्कूल के प्रधानाचार्यों को समय से अपनी डिमांड सुनिश्चित करनी होगी। अन्यथा उनकी मांग को निरस्त कर दिया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338